सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वर्षः 01 | अंकः 137 | मंगलवार 26 अगस्त 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप: 25 मी. पिस्टल स्पर्धा में पदक से चूकी मनु भाकर.... -पेजः 7

सन ऑफ सरदार 2 को मिली प्रतिक्रिया पर कुब्रा सैत ने जताई खुशी -पेजः 8

अरब सागर से पश्चिमी अफ्रीकी तट तक भारतीय नौसेना का दबदबा, भारतीय नौसेना की ताकत बढ़ाएंगे आईएनएस उदयगिरि और हिमगिरि

नई दिल्ली (एजेंसी): भारतीय नौसेना की ताकत में इजाफा होने वाला है। नीलगिरि क्लास की दो स्टील्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट, आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि को 26 अगस्त को विशाखापत्तनम में एक साथ कमीशन होने के लिए तैयार है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि भारतीय नौसेना 26 अगस्त को विशाखापत्तनम में एक साथ दो नीलगिरि क्लास के स्टील्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट, आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि को कमीशन करेगी। भारत में निर्मित ये दोनों युद्धपोत प्रोजेक्ट 17 अल्फा (पी-17ए) का हिस्सा हैं, जिसके तहत प्रमुख पोत, आईएनएस नीलगिरि, को इस साल की शुरूआत में कमीशन किया गया था। दो लड़ाकू जहाजों का एक साथ कमीशन यह पहली बार है कि दो प्रतिष्ठित भारतीय शिपयार्डों के दो प्रमुख लड़ाकू जहाजों का कमीशन एक ही समय में हो रहा है। इसके साथ ही, भारत के पास तीन फ्रिगेट वाला एक स्क्वाड्रन होगा जो स्वदेशी क्षमता के जरिए देश की औद्योगिक-तकनीकी क्षमता और क्षेत्रीय शक्ति

भारतीय नौसेना की ताकत बढ़ने वाली है। नीलगिरि क्लास की दो स्टील्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि को 26 अगस्त को विशाखापत्तनम में एक साथ कमीशन किया जाएगा। भारत में निर्मित ये दोनों युद्धपोत प्रोजेक्ट 17 अल्फा का हिस्सा हैं।

संतुलन का प्रदर्शन करेगा। शिवालिक श्रेणी के फ्रिगेट से 5% बड़े ये दोनों मिसाइलें पहले के डिजाइनों की तुलना में एक पीढ़ीगत छलांग का प्रतिनिधित्व करती हैं। लगभग 6,700 टन क्षमता वाले, पी-17ए फ्रिगेट अपने पहले के शिवालिक श्रेणी के फ्रिगेट से लगभग पांच प्रतिशत बड़े हैं और फिर भी इनका आकार अधिक सुडौल है, तथा इनका रडार क्रॉस-सेक्शन कम है। डीजल इंजन और गैस टर्बाइन का इस्तेमाल ये डीजल और गैस (CODOG द्वारा संचालित होते हैं जिनमें डीजल इंजन और गैस टर्बाइन लगे होते हैं जो कंट्रोलिंग-पिच प्रोपेलर चलाते हैं और एक इंटीग्रेटेड प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट सिस्टम के जरिए मैनेज होते हैं। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस हथियार ग्रुप में सतह से सतह पर मार करने वाली सुपरसोनिक मिसाइलें, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, एक 76 मिमी एमआर गन, और 30 मिमी तथा 12.7 मिमी की क्लोज-इन हथियार प्रणालियों का संयोजन, और पनडुब्बी रोधी/पानी के नीचे की हथियार प्रणालियां शामिल हैं। इतने लोगों को रोजगार दोनों जहाज 200 से ज्यादा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME) उद्योगों में फैले एक इंडस्ट्रीयल इकॉसिस्टम का परिणाम हैं, जो लगभग 4,000 प्रत्यक्ष और 10,000 से ज्यादा अप्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध कराते हैं। आईएनएस उदयगिरि और हिमगिरि का निर्माण आईएनएस उदयगिरि का निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड द्वारा किया गया है और यह नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा डिजाइन किया गया 100वां जहाज है। आईएनएस हिमगिरि, कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स द्वारा निर्मित किए जा रहे पी-17ए जहाजों में से पहला है। हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में भूमिका और समुद्री सुरक्षा भारत के लिए मुख्य चुनौती चीन का बढ़ता समुद्री विस्तार है, जिसने हिंद महासागर में 'मोतियों की माला' नीति के तहत ग्वादर (पाकिस्तान), हंबनटोटा (श्रीलंका), चटगांव (बांग्लादेश) और जिबूती में अपनी पकड़ बना ली है। ऐसी स्थिति में, नीलगिरि श्रेणी के युद्धपोत भारत के लिए एक मजबूत निवारक के रूप में काम करेंगे। अधिकारियों ने कहा कि ये फ्रिगेट न केवल समुद्री व्यापार मार्गों की रक्षा करेंगे, बल्कि मलक्का जलडमरूमध्य से लेकर अफ्रीका तक हिंद महासागर क्षेत्र में भारत

'आतंकवादियों ने धर्म पूछकर मारा, हमने कर्म देखकर, पहलगाम हमले को लेकर राजनाथ सिंह की पाक को खरी-खरी

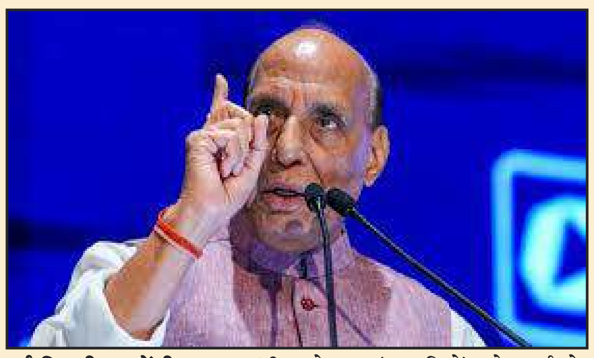

नई दिल्ली (एजेंसी): रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए आतंकवादियों को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि आतंकियों ने धर्म पूछकर मारा था और हमने कर्म देखकर मारा। राजस्थान के जोधपुर में आदर्श रक्षा एवं खेल अकादमी के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, "आतंकवादियों ने धर्म पूछकर लोगों की हत्या की, हमारे सैनिकों ने आतंकवादियों को धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि उनके कर्मों के आधार पर मारा।" 'पाकिस्तान को हमने करारा जवाब दिया' पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान में घुसकर आंतकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया था। इसके बाद पाकिस्तान ने भारत की ओर कई मिसाइल दागी दी थी। भारतीय सेना ने इस हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया था।

डबल इंजन की सरकार के बावजूद राजस्थान रिफाइनरी का काम धीमा: अशोक गहलोत

नई दिल्ली (एजेंसी): राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पचपदरा में प्रस्तावित राजस्थान रिफाइनरी के कार्य की धीमी गति को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए सोमवार को सवाल किया कि ह्यडबल इंजनह्न की सरकार होने के बावजूद रिफाइनरी का काम धीमा क्यों है? गहलोत ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार ने 2025-26 की बजट घोषणा संख्या 158 में यह कहा था कि पचपदरा-बालोतरा स्थित रिफाइनरी अगस्त 2025 से उत्पादन शुरू कर देगी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा, कल मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रिफाइनरी का दौरा किया, परंतु दोनों के बयानों और सरकारी प्रेस नोट

में रिफाइनरी के उत्पादन शुरू होने की तारीख का कोई जिक्र नहीं था। यह आश्चर्यजनक चुप्पी जनमानस में संदेह उत्पन्न कर रही है। गहलोत के अनुसार, कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान, कोरोना महामारी के बावजूद रिफाइनरी का काम तेजी से हुआ और 80 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा कर लिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि 2013 से 2018 और अब 2023 से भाजपा सरकार की लापरवाही के कारण 37,000 करोड़ की इस परियोजना की लागत बढ़कर लगभग एक लाख करोड़ तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा, 2013 में जब इस परियोजना का शिलान्यास हुआ था, तब सरकार बदलने के बाद इसका काम रोका नहीं गया होता तो लागत इतनी नहीं बढ़ती। अब राजस्थान की जनता पूछ रही है कि डबल इंजन की सरकार के बावजूद रिफाइनरी का काम धीमा क्यों चल रहा है? केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को बालोतरा जिले के पचपदरा में बन रही एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआर आरएल) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कुछ उद्घाटन कार्य किए और एक समीक्षा बैठक भी की।

झूठे मामले में फंसाया गया, जेल से सरकार चला, अरविंद केजरीवाल ने अमित शाह पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी): दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर पलटवार करते हुए कहा कि एक मुख्यमंत्री द्वारा जेल से सरकार चलाने के औचित्य पर सवाल उठाने पर उन्हें केंद्र द्वारा गढ़े गए एक मामले में जेल में डाला गया है। शराब नीति घोटाला मामले में गिरफ्तार होने के बाद सरकार चलाने वाले केजरीवाल ने भाजपा मंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि जहां निर्दोष लोगों को झूठे आरोपों में जेल भेजा जाता है, वहीं गंभीर अपराधों में शामिल लोगों को अगर भगवा पार्टी से संबंधित हैं तो मंत्री बना दिया जाता है। केजरीवाल ने ट्वीट करते हुए कहा कि राजनीतिक साजिश के तहत जब केंद्र सरकार ने मुझे झूठे मामले में फंसाया

और जेल भेज दिया, तो मैंने जेल से 160 दिनों तक सरकार चलाई। उन्होंने समाचार एजेंसी एएनआई के साथ अमित शाह के साक्षात्कार का एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने नए विधेयक का बचाव किया, जिसमें गंभीर आपराधिक आरोपों में लगातार 30 दिनों तक हिरासत में रखे गए मंत्रियों को हटाने की बात कही गई है। शाह ने पूछा कि भ्रष्टाचार के आरोपी या पाँच साल से ज्यादा की सजा वाले आरोपों का सामना कर रहे लोगों के लिए, ऐसे मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों या प्रधानमंत्रियों का जेल में बैठकर सरकार चलाना कितना उचित है? दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने जवाब देते हुए पूछा, "क्या एक ऐसे व्यक्ति को भी अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए जो गंभीर अपराधों के अपराधियों को अपनी पार्टी में शामिल करता है, उनके सभी मामले खारिज करवाता है और उन्हें मंत्री, उपमुख्यमंत्री या मुख्यमंत्री बनाता है? केजरीवाल ने आगे सवाल किया, अगर किसी को झूठे मामले में फंसाया जाता है, जेल भेजा जाता है और बाद में बरी कर दिया जाता है, तो उसे झूठे मामले में फंसाने वाले मंत्री को कितने साल की कैद की सजा मिलनी चाहिए? केजरीवाल को पिछले साल मार्च में प्रवर्तन निदेशालय ने आबकारी नीति से जुड़े एक मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। इस तरह वे हिरासत में लिए जाने वाले पहले मौजूदा मुख्यमंत्री बने। इस्तीफा देने के बजाय, आप संयोजक ने सरकार चलाना जारी रखा और जमानत मिलने के बाद ही इस्तीफा दिया।

महायुति सरकार कृषि ऋण माफी के वादे से पीछे नहीं हटी: अजित पवार

महाराष्ट्र (एजेंसी): महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा है कि महायुति सरकार किसानों की कर्ज माफी के अपने वादे से पीछे नहीं हटी है और आश्वस्त किया कि उचित समय पर इस संबंध में कदम उठाए जाएंगे। विपक्षी दल कांग्रेस सत्तारूढ़ गठबंधन पर कृषि ऋण माफी में देरी करने और राज्य के किसानों की दुर्दशा के प्रति चिंता नहीं जताने का आरोप लगाते हुए निशाना साध रही है। पवार ने रविवार को पत्रकारों से कहा, हम कृषि ऋण माफी के अपने वादे से पीछे नहीं हटे हैं। हम महायुति घोषणापत्र में दिए गए आश्वासनों के प्रति प्रतिबद्ध हैं। एक समिति का गठन किया गया है, क्योंकि ऐसे फैसलों में वित्तीय पहलुओं पर सावधानीपूर्वक विचार करने की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के साथ दृढ़ता से खड़ी है। उन्होंने कहा, हमने कभी नहीं कहा कि हम ऋण माफी नहीं करेंगे। सही समय पर,

समिति विस्तृत जानकारी प्रस्तुत करेगी। पवार ने किसानों के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों पर भी प्रकाश डाला और कहा कि केंद्र और राज्य मिलकर प्रति किसान सालाना 12,500 रुपये प्रदान करते हैं और बिजली निगमों को उनके बिजली बिलों के भुगतान के लिए 20,000 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। उन्होंने कहा, इसके अलावा, हम मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना के तहत महिलाओं को 1,500 रुपये प्रदान करते हैं। हम किसानों को ब्याज मुक्त ऋण भी देते हैं ताकि उन्हें निजी साहूकारों के पास नहीं जाना पड़े। इस महीने की शुरूआत में राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा था कि पूरी तरह से ऋण माफी के बजाय, सरकार उन गरीब किसानों को राहत देने की दिशा में काम कर रही है जिनके खेतों में कोई उपज नहीं होती और जिन्होंने ऋण लिया है तथा जिनके आत्महत्या करने का अंदेशा है। राज्य विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान सरकार ने कहा कि ऋण माफी दी जानी चाहिए या नहीं और इसे कैसे लागू किया जाना चाहिए

हर चीज का श्रेय लेने की कोशिश करती है भाजपा... अनुराग ठाकुर के हनुमान वाले बयान पर ऐसा क्यों बोले अखिलेश यादव

लखनऊ (एजेंसी): समाजवादी पार्टी प्रमुख और सांसद अखिलेश यादव ने सोमवार को केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर की उस टिप्पणी की आलोचना की जिसमें उन्होंने कहा था कि भगवान हनुमान अंतरिक्ष में सबसे पहले गए थे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हमेशा हर चीज का श्रेय लेने की कोशिश करती है। समाजवादी पार्टी नेता ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को भी बधाई दी, जो हाल ही में एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा करने वाले पहले भारतीय बने। लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, सपा नेता ने कहा कि उन्होंने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने इतने वर्षों तक कड़ी मेहनत की होगी और कठोर प्रशिक्षण लिया होगा, जिसके बाद उन्हें यह सफलता मिली है। यह देश के लिए, उनके लिए व्यक्तिगत रूप से और उनके परिवार के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। अंतरिक्ष की उनकी यात्रा ने देश को गौरवान्वित किया है।

देश के संसाधनों का उपयोग किया गया। सपा प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे मिशन किसी राजनीतिक दल की बजाय वैज्ञानिकों के समर्पण और अंतरिक्ष यात्री की प्रतिबद्धता का परिणाम होते हैं। अनुराग ठाकुर का सीधे नाम लिए बिना, यादव ने सत्तारूढ़ दल पर तीखा कटाक्ष किया। उन्होंने कहा, "भाजपा हर चीज का श्रेय लेने की कोशिश करती है। अब वे कह रहे हैं कि हमारे भगवान हनुमान अंतरिक्ष में सबसे पहले गए थे। हम हमेशा कहते हैं कि हमारे सभी देवता अंतरिक्ष में रहते हैं।" यह विवाद तब शुरू हुआ जब भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें वे राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर स्कूली बच्चों से बात करते हुए पूछ रहे थे, "अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले पहले व्यक्ति कौन थे?" जब छात्रों ने जवाब दिया, "नील आर्मस्ट्रांग," तो ठाकुर ने कहा, "मुझे लगता है कि हनुमान जी अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले पहले व्यक्ति थे।" हिमाचल प्रदेश के ऊना स्थित श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में छात्रों से बातचीत करते हुए, भाजपा नेता ने तर्क दिया कि ज्ञान की परंपराएँ अंग्रेजों द्वारा हमें दी गई पाठ्यपुस्तकों से आगे बढ़नी चाहिए। उन्होंने शिक्षकों से "हमारे वेदों, हमारी पाठ्यपुस्तकों और हमारे ज्ञान" की ओर देखने का आग्रह किया, और कहा कि इससे छात्रों को "बहुत कुछ" देखने का अवसर मिलेगा। नासा के एक्सिओम-4 (एएक्स-4) अंतरिक्ष मिशन को पूरा करने के बाद 15 जुलाई को पृथ्वी पर लौटे भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला 17 अगस्त को नई दिल्ली पहुँचे। शुक्ला नासा के एक्सिओम-4 अंतरिक्ष मिशन का हिस्सा थे, जिसने 25 जून को अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरी थी। वह 15 जुलाई को कैलिफोर्निया के तट से उतरते हुए पृथ्वी पर लौटे। वह 41 वर्षों में अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले पहले भारतीय बने।

'मोदी जी खुद अपने खिलाफ बिल लाए...पीएम-सीएम की बर्खास्तगी वाले विधेयक पर बोले शाह; विपक्ष पर कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि संविधान (130वां संशोधन) बिल, 2025 जरूर पास होगा, भले ही विपक्ष इसका तीखा विरोध कर रहा हो। इस बिल में प्रस्ताव है कि अगर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या कोई मंत्री गंभीर अपराध के तहत 30 दिन तक लगातार हिरासत में रहता है, जिसकी सजा पांच साल या उससे ज्यादा हो तो उसे अपने पद से हटना होगा। शाह ने कहा कि यह बिल "संवैधानिक नैतिकता" और जनता के भरोसे को बनाए रखने के लिए है। ये सत्ताधारी पार्टी सहित सभी नेताओं पर समान रूप से लागू होगा। अमित शाह ने बिल का बचाव करते हुए कहा कि यह किसी खास पार्टी या नेता को निशाना बनाने के लिए नहीं है। उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस और विपक्ष के कई लोग "नैतिकता का समर्थन" करेंगे और इस बिल को पास करने में साथ देंगे। बिल को विस्तृत जांच के लिए 31 सदस्यों वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजा गया है, जो इस पर सुझाव देगी। 'नैतिकता की जीत होगी' अमित शाह ने कहा, "मुझे पूरा यकीन है कि यह बिल पास होगा। कांग्रेस और विपक्ष में कई लोग नैतिकता का समर्थन करेंगे और नैतिक आधार बनाए रखेंगे।" उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा, "प्रधानमंत्री ने खुद इस बिल में पीएम के पद को

शामिल किया है। पहले इंदिरा गांधी ने 39वां संशोधन लाकर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और स्पीकर को अदालती जांच से बचाया था। लेकिन नरेंद्र मोदी जी ने अपने खिलाफ संवैधानिक संशोधन लाया है कि अगर प्रधानमंत्री जेल जाता है, तो उसे इस्तीफा देना होगा।" अमित शाह ने विपक्ष के इस आरोप को खारिज किया कि सरकार इस बिल के जरिए गैर-भाजपा सरकारों को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि अदालतें इस बिल के दुरुपयोग को रोकेंगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, "हमारी अदालतें कानून

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि संविधान (130वां संशोधन) बिल 2025 जरूर पास होगा। बिल में प्रस्ताव है कि अगर कोई मंत्री गंभीर अपराध में 30 दिन तक हिरासत में रहता है तो उसे पद से हटना होगा।

की गंभीरता को समझती हैं। जब 30 दिन बाद इस्तीफा देना हो, तो उससे पहले अदालत यह तय करेगी कि व्यक्ति को जमानत मिलनी चाहिए या नहीं। जब अरविंद केजरीवाल का मामला हाई कोर्ट में गया, तो कहा गया कि नैतिक आधार पर उन्हें इस्तीफा देना चाहिए, लेकिन मौजूदा कानून में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है।" 'किसी को निशाना नहीं बनाया' विपक्ष के तीखे हमलों पर शाह ने साफ किया कि यह बिल किसी खास पार्टी या नेता के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा, "कोई भी अदालत में जाकर एफआईआर दर्ज करने का आदेश मांग सकता है। यूपीए सरकार के दौरान कई जांचें अदालत के आदेश पर शुरू हुई थीं। मैं कम से कम 12 ऐसे मामले बता सकता हूं जहां अदालत ने सीबीआई को जांच का निर्देश दिया था।" आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल का जिक्र करते हुए शाह ने कहा, "उन्हें 30 दिन के अंदर जमानत मिल गई थी और मेरा मानना है कि उन्हें उस वक्त इस्तीफा दे देना चाहिए था। जब लोगों ने उनका विरोध किया, तो उन्होंने इस्तीफा दे दिया। अब उन्हें कानूनन इस्तीफा देना होगा।" शाह ने यह भी साफ किया कि बिल निष्पक्ष है। अगर कोई नेता 30 दिन बाद भी जमानत हासिल कर लेता है, तो वह शपथ लेकर अपने पद पर वापस आ सकता है। हम तो विपक्ष को मौका दे रहे हैं: अमित शाह तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के जेपीसी का बहिष्कार करने पर शाह ने कहा कि सरकार ने उन्हें शामिल होने का पूरा मौका दिया है। उन्होंने कहा, "हम क्या कर सकते हैं? हम उन्हें शामिल होने और हिस्सा लेने के लिए कह रहे हैं।

संपादकीय

दृढ़ता है जरूरी

देश मंत्री जयशंकर ने रूस के साथ भारत के ऊर्जा संबंधों का बचाव करते हुए कहा कि भारत स्वतंत्र रूप से निर्णय लेना जारी रखेगा, अमेरिका के साथ व्यापार बातचीत में अड़चन को हास्यास्पद बताते हुए कहा कि आपको भारत से तेल या रिफाइंड़ उत्पाद खरीदने में दिक्कत है तो न खरीदें। यूक्रेन संघर्ष पर दिल्ली का रुख स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा हम रूस-युक्रेन मुद्दे का जल्द से जल्द समाधान चाहते हैं। जयशंकर ने अमेरिकी विदेश नीति की आलोचना करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप को याद दिलाया कि ओबामाकाल में वाशिंगटन ने चीन के साथ जी2 ढांचे का विचार पेश किया था। वह पहले भी स्पष्ट कह चुके हैं कि अमेरिका ही कह रहा है कि हम विश्व ऊर्जा बाजार को स्थिर रखने हर संभव प्रयास करने चाहिए जिसमें रूस से तेल खरीदना भी शामिल है। चूंकि हम अमेरिका से भी तेल खरीदते हैं इसलिए आपके (अमेरिका) तर्क से उलझन में हैं।

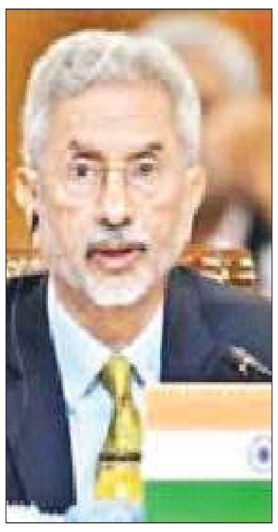

भारत-रूस व्यापार पिछले कुछ समय में तेजी से बढ़ा है। 2021 में 13 बिलियन ड़ॉलर था, जो अब 2024-25 में बढ़ कर 68 बिलियन ड़ॉलर पहुंच चुका है जिसका बड़ा हिस्सा हाइड्रो कॉर्बन भी है। यह ट्रंप की आंख की किरकिरी बन रहा है। हालांकि भारत ने कूटनीतिक-आर्थिक बदलाव लाते हुए अपने सख्त तेवर दिखाए और अमेरिका के साथ ही यूरोपीय यूनियन की आलोचना करते हुए दोनों के रूस के साथ व्यापार जारी रखने पर प्रक्रिया दी। भारत ने अमेरिका के टैरिफ बढ़ाने को भी अविवेकपूर्ण ठहराया। विदेश मंत्री के तेवरों से स्पष्ट है कि सरकार अमेरिका की धमकियों के आगे झुकने को तैयार नहीं है। इससे अंतरराष्ट्रीय ही नहीं, घरेलू स्तर पर उसे अपनी प्रतिष्ठा पर धब्बा लगता प्रतीत हो सकता है। रूसी आयात पर लगाम लगाने की बजाय भारत इराक, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात व सऊदी अरब के साथ भी आयात विस्तार का विचार कर रहा है। ऐसा नहीं है कि भारत अमेरिका को घुड़की देने मात्र के लिए अपने निर्णय पर अड़ा है, बल्कि दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के प्रति दृढ़ संकल्प भी है। रूस से तेल खरीद के चलते देश को 2025 में ही 3.8 अरब ड़ॉलर की अतिरिक्त बचत हो चुकी है। ट्रंप के इस टैरिफ टैरर से अमेरिकी अर्थशा्त्रियों से लेकर राजनेता व विशेषज्ञ भी खासे नाराज हैं। वे मान रहे हैं, यह अमेरिका के लिए दुर्भाग्यपूर्ण साबित हो सकता है। भारत सरकार ने विचारपूर्ण तरीके से ही अपना रुख सख्त रखा है। वह अब किसी दबाव के आगे नतमस्तक होते नहीं नजर आना चाहती।

चिंतन-मनन

साधना और सुविधा

आसक्ति के पथ पर आगे बढ़ने वाले अपनी आकांक्षाओं को विस्तार देते हैं। उनकी इच्छाओं का इतना विस्तार हो जाता है, जहां से लौटना संभव नहीं है। उस विस्तार में व्यक्ति का अस्तित्व विलीन हो जाता है। फिर वह अपने लिए नहीं जीता। उसके जीवन का आधार पदार्थ बन जाता है। पदार्थ जब मनुष्य पर हावी हो जाए तो समस्या क्यों नहीं होगी? आसक्ति अपने आप में समस्या है। इस समस्या का समाधान पदार्थ के विस्तार में नहीं, संयम में है। संयम के पथ पर वही चल सकता है, जो पदार्थ से विरक्त होने लगता है। जिन लोगों को विरक्ति का पथ प्राप्त है, जो जीवनभर इस पथ पर चलने के लिए कृतसंकल्प हैं, उनके सामने किसी प्रकार का प्रलोभन नहीं होना चाहिए। पदार्थ जीवन की आवश्यकता की पूर्ति का साधन है, यह भाव जब तक प्रबल रहता है, उसके प्रति आसक्ति पैदा नहीं होती। किंतु जब पदार्थ साध्य बन जाता है, तब व्यक्ति का दृष्टिकोण बदल जाता है। बदला हुआ दृष्टिकोण व्यक्ति को स्वच्छंद बनाता है, सुविधावादी बनाता है और उसे संग्रह की प्रेरणा देता है। स्वच्छंदता, सुविधावाद और संग्रहवृत्ति- ये तीन सकार साधना के विघ्न हैं। साधना के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए इनका सीमाकरण करना ही होगा। वैचारिक स्वतंत्रता का जहां तक प्रश्न है, साधना के साथ उसका कोई विरोध नहीं है। पर विचार की स्वतंत्रता की यह अर्थ नहीं है कि व्यक्ति अपनी सीमा, संविधान और परंपरा से विमुख होकर उच्छृंखल बन जाए। उच्छृंखलता या स्वच्छंदता जहां प्रवेश पा लेती है, वहां से अनुशासन, व्यवस्था आदि तत्वों का पलायन हो जाता है। यह स्थिति व्यक्ति और समूह दोनों के लिए हितकर नहीं है। सुविधा के साथ भी साधना का विरोध नहीं है। साधना के नियम जिस सीमा तक स्वीकृति देते हैं, उस सीमा में सहज रूप से कोई सुविधा प्राप्त होती हो तो उसका उपयोग सम्मत है। जैन साधना पद्धति में शरीर को साधने का विधान तो है, पर उसे कष्ट देना कभी अभीष्ट नहीं है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

मदर टेरेसाः गरीबों की सांसों में बसने वाली संत

योगेश कुमार गोयल

मदर टेरेसा का नाम सुनते ही मानवता, करुणा और सेवा का पवित्र स्वरूप आंखों के सामने उभर आता है। उनका जीवन इस तथ्य का सबसे बड़ा प्रमाण है कि निस्वार्थ भाव से दूसरों के दुःख को दूर करने का संकल्प ही मनुष्य को वास्तविक अर्थों में महान बनाता है। 26 अगस्त 1910 को अल्बानिया के स्कोप्जे में एगनेस गोंझा बोयाज्यू के रूप में जन्मी इस नन्हीं बालिका ने बचपन से ही धर्म और सेवा के प्रति गहरी आस्था प्रकट की थी। जब वे केवल 12 वर्ष की थी, तभी उनके भीतर यह संकल्प जाग उठा था कि उनका जीवन केवल दूसरों की भलाई के लिए समर्पित होगा। यही संकल्प आगे चलकर उन्हें पूरी मानवता के लिए करुणा की मूर्ति बना गया।

18 वर्ष की आयु में उन्होंने 'सिस्टर्स ऑफ लोरेटो' से जुड़कर धार्मिक जीवन की ओर कदम बढ़ाए और 1929 में भारत आईं। कलकत्ता स्थित सेंट मैरी स्कूल में उन्होंने अध्यापिका के रूप में कार्य करना शुरू किया। अध्यापन कार्य के दौरान वे छात्रों को केवल पढ़ाई ही नहीं, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का भी पाठ पढ़ाती थी किंतु धीरे-धीरे उनका मन स्कूल की चारदीवारी से बाहर रहने वाले निर्धन, रोगग्रस्त और बेसहारा लोगों की ओर अधिक खिंचने लगा। 1946 में दार्जिलिंग की यात्रा के दौरान उन्हें अपने जीवन का वास्तविक ध्येय मिला। उन्होंने महसूस किया कि उन्हें शिक्षण कार्य से ऊपर उठकर गरीबों और असहायों की सीधी सेवा करनी चाहिए। यह क्षण उनके जीवन की दिशा बदल देने वाला साबित हुआ।

कलकत्ता की झुग्गियों और गलियों में रहने वाले लोगों की असहनीय पीड़ा को देखकर उन्होंने 1950 में 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' की स्थापना की। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य था सबसे गरीब, सबसे लाचार और सबसे उपेक्षित लोगों की निःस्वार्थ सेवा करना। संस्था का ध्येय वाक्य ही था, 'सबसे गरीबों में भी सबसे गरीब की सेवा।' मदर टेरेसा ने सेवा की परिभाषा केवल भोजन और दवा देने तक सीमित नहीं रखी बल्कि उनके लिए सेवा का अर्थ था पीड़ित व्यक्ति को यह अनुभव कराना कि वह अकेला नहीं है, उसे प्यार और सम्मान मिला हुआ है। यही कारण था कि वे सदैव कहा करती थी, 'हम बड़े-बड़े कार्य नहीं कर सकते लेकिन हम छोटे-छोटे कार्य बड़े प्रेम से कर सकते हैं।'

उनके आश्रमों में केवल भोजन या उपचार की सुविधा ही नहीं दी जाती थी बल्कि वहां पीड़ित व्यक्तियों को जीवन की गरिमा और आत्मसम्मान भी लौटाया जाता था। उन्होंने कुष्ठ रोगियों को समाज में सम्मान दिलाने के लिए आश्रम बनाए, अनाथ और परित्यक्त बच्चों के लिए घर खोले और मृत्युशैया पर पड़े लोगों को अंतिम क्षणों में भी प्रेम और स्नेह का अहसास कराया। उनकी संस्था धीरे-धीरे भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में फैल गई, जिसके सैंकड़ों केंद्र आज विभिन्न देशों में मानव सेवा का कार्य कर रहे हैं। मदर टेरेसा की असाधारण सेवाओं को देखते हुए उन्हें अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। 1962 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से अलंकृत किया और 1980 में 'भारत रत्न' प्रदान कर सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया। विश्व स्तर पर उन्हें 1979 में नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया। इसके अतिरिक्त अनेक देशों ने उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मानों से विभूषित किया किंतु इन सब पुरस्कारों और मान-सम्मानों के बीच भी वे सदैव विनम्र बनी रही और स्वयं को केवल ईश्वर का साधन मानती रही।

उनके जीवन और कार्यों की इतनी ऊंचाई होने के बावजूद वे आलोचनाओं से अछूती नहीं रही। कई बार उन पर धर्मांतरण के आरोप लगाए गए तो कई बार उनके आश्रमों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की कमी की बात उठाई गई किंतु यह निर्विवाद सत्य है कि मदर टेरेसा ने लाखों असहायों को आशा, सहारा और जीवन का सम्मान प्रदान किया। उनके कार्यों का व्यापक प्रभाव इसी से समझा जा सकता है कि वे समाज की उस परत तक पहुंची, जिसे प्रायः शासन और व्यवस्था भी अनदेखा कर देती थी। 5 सितंबर 1997 को 87 वर्ष की आयु में जब उनका निधन हुआ, तब समूचे विश्व ने उन्हें खोने का दुःख अनुभव किया। उनके अंतिम संस्कार में दुनिया के अनेक देशों के नेता उपस्थित हुए और भारत ने उन्हें राजकीय सम्मान के साथ विदाई दी। उनकी मृत्यु के बाद भी उनकी संस्था 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' उसी निष्ठा से मानवता की सेवा में कार्यरत है। 2016 में पोप फ्रांसिस ने उन्हें संत की उपाधि प्रदान की, जिससे उनका जीवन एक वैश्विक आध्यात्मिक प्रेरणा का प्रतीक बन गया। मदर टेरेसा का जीवन इस तथ्य को रेखांकित करता है कि वास्तविक महानता किसी पद, संपत्ति या शक्ति में नहीं बल्कि निस्वार्थ सेवा और करुणा में निहित है। उन्होंने यह साबित किया कि जब तक हम दूसरों के दुःख को अपना नहीं मानते, तब तक जीवन का सही अर्थ अधूरा रहता है। आज जब दुनिया हिंसा, असमानता और स्वार्थ की चपेट में है, तब मदर टेरेसा का संदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठता है। उन्होंने सिखाया कि प्रेम और करुणा ही वह शक्ति है, जो मानवता को जोड़ सकती है। उन्होंने धर्म, जाति और भाषा की सीमाओं से परे जाकर यह बताया कि इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म है। यही उनकी सबसे बड़ी विरासत है, जिसे आगे बढ़ाना हर व्यक्ति का कर्त्तव्य है। मदर टेरेसा की जयंती का अवसर केवल स्मरण का नहीं बल्कि आत्ममंथन का अवसर है, जो हमें यह सोचने पर विवश करता है कि हम अपने जीवन में कितना समय और कितनी संवेदनशीलता समाज के जरूरतमंदों के लिए समर्पित करते हैं। यदि हर व्यक्ति अपने आसपास के जरूरतमंदों के लिए थोड़ा-सा भी प्रयास करे तो समाज में फैली असमानता और पीड़ा काफी हद तक कम हो सकती है। मदर टेरेसा का जीवन हमें यही सिखाता है कि सच्चा धर्म केवल मानव सेवा है और सच्ची पूजा केवल करुणा है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

मुद्दाः नेताओं पर कम क्यों हो रहा भरोसा

ड़ॉ. घनश्याम बादल

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर जिस तरह जनसुनवाई के दौरान राजेश भाई खीमजी भाई सकरिया नाम के व्यक्ति ने हमला किया, अपशब्दों का प्रयोग किया एवं पेशीय बल का प्रयोग किया वह चिंता का सबब है, और खतरनाक संकेत है कि हमारा लोकतंत्र सही दिशा में नहीं जा रहा। बेशक, ऐसी घटनाएं घोर निंदनीय हैं, लेकिन कई प्रश्न भी खड़े करती हैं। वैसे ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि इस तरह की घटना घटी हो।

राजनीति की खासियत रही है कि सत्ता पर कब्जे की लड़ाई में हर दल व नेता एक दूसरे पर कीचड़ उछालने में कोई भी कसर नहीं छोड़ता। सत्ता की लालसा के चलते दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में अक्सर राजनीतिक प्रदूषण का वीभत्स रूप बार-बार सामने आता रहा है। खूबियां व विपक्षी की कमियां गिनाना भी गलत नहीं है लेकिन इन सबके बीच जो गरिमा का पतन हो रहा है, जिस भाषा का प्रयोग किया जा रहा है, वह कहां तक जायज हैं? एक समय था जब शालीन तरीके से आलोचना करके, गद्दी हासिल की जाती थी पर अब तो बदमिजाजी, बदजुबानी व घटियापने की सारी हदें पार हो गई हैं। छुटभैये ही नहीं बड़े से बड़े नेताओं की जुबान पर भी गरिमाहीन शब्द चढ़ गए हैं। हर एक का मंतव्य एक ही कि जैसे भी हो बस चुनावी जंग जीत लो। अब जीते कोई भी पर भविष्य में लोकतंत्र के बहुत ही खतरनाक दौर का संकेत है यह। इससे पूर्व लोक सभा चुनावों में भी ऐसी ही बानगी देखने को मिली थी।

वैसे यह गंदगी अभी की बात नहीं है। यह तो काफी पहले ही जन्म ले चुकी थी। कुछ अति वाचाल नेता अससंदीय व अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं, और ऐसे शब्द बाण चलाते रहे हैं, जो कदाचित सभ्य समाज को अस्वीकार्य होंगे। ठीक है, आक्रामक होना आपका अधिकार हो सकता है पर सर्वाजनिक जीवन में मयार्दाएं तार-तार करने का किसी का भी हक नहीं है, यह अब हमारे नेताओं को सिखाने की जरूरत हो गई है। नेताओं की भाषा या उस पर चुनाव आयोग की कार्यवाही के औचित्य पर टिप्पणी की बजाय आइए देखें कि कैसे भारतीय राजनीति में मयार्दा का स्थान जूतों, स्याही, कालिख, अंडे टमाटरों, थप्पड़ों, गालियों व असहिष्णु शब्दों ने ले लिया है।

बीफ पार्टी देने पर विधायक राशिद की पिटाई हुई, उनके मुंह पर कालिख पोती गई, एक पाकिस्तानी किताब का विमोचन करवाने के दोषी सुधीर कुलकर्णी का मुंह काला किया गया, शरद पवार, अरविंद केजरीवाल और यहां तक कि बहुत ही विनम्र ड़ॉ. मनमोहन सिंह पर भी पर जूता उछला, चिदंबरम पर चप्पल फेंकी गई, प्रशांत भूषण पिटे, अन्ना पर भी वार हुआ, दिग्विजय को गालियां मिलीं, केजरीवाल को चप्पल, थप्पड़ व स्याही मिले, गोपाल यादव का मुंह काला किया गया और भी ऐसे कितने ही उदाहरण दिए जा सकते हैं।

आखिर, हम कर क्या रहे हैं? किस युग में जी रहे हैं? और किस अंधयुग की तरफ जा रहे हैं? किसी भी तर्क का सहारा लेकर जूतों, थप्पड़ों, गालियों को लोकतंत्र में सही नहीं ठहराया जा सकता परंतु सोचने वाली बात यह भी है कि ऐसी स्थिति आती ही क्यों हैं, गहरी छानबीन की जरूरत है।

यदि समस्या की जड़ में जाने से बच कर विपक्षी की जलालत पर हम हंसते रहे तो फिर लोकतंत्र की तस्वीर भयावह होने जा रही है। लोकतंत्र में सबको अपने-अपने तरीके से रहने, बोलने, सोचने व खाने-पीने की छूट तो है पर किसी की भावनाओं से खिलवाड़ करने का हक लोकतंत्र नहीं देता, यह बात जहां नेताओं को आम जन को समझानी चाहिए वहीं वे खुद ही ऐसा करके माहौल खराब करते रहे हैं। क्या अब नहीं मान लेना चाहिए कि सत्ता की भूख कुछ भी नैतिक-अनैतिक नहीं देख पाती। इसलिए भावनाएं भड़का कर सत्ता सुख लूटने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है, और खेद का विषय है कि एक भी दल इससे बच नहीं पा रहा है। जनतंत्र में मतभेद स्वाभाविक है।

देश का आम जन और वोटर अभी तक भी नहीं जान पाया है कि चुनावों के हसीन सपने अलग बात हैं पर सत्ता में आने पर सेवा, जनकल्याण व समस्या निवारण कहने की बातें रह गई हैं। सत्ता के ईद गिर्द शायद कहीं कुछ ऐसा है जो कुछ सार्थक करने नहीं देता। वह क्या है? जब सब कुछ जानते हुए भी चुप्पी ओढ़े तटस्थ होने का ढोंग बुद्धिजीवी करते हैं तो लगता है जैसे वे भी इस पाप में शामिल हैं। बुद्धिजीवी लोकतंत्र को एक अंधेरे गड्ढे में जाते हुए चुपचाप देखते हैं, तो फिर भविष्य कैसा होगा, सोचा जा सकता है। पावर, पॉलिटिक्स व पैसों का खेल अब बेलगाम हो गया है। सरकारें भले ही बदलें, चेहरे भले ही बदलें पर प्रवृत्ति नहीं बदल रही। कालिखों, जूतों, गालियों का होना लोकतंत्र में सही नहीं है पर ऐसी स्थिति आती ही क्यों है, इस पर भी छानबीन की जरूरत है। भविष्य में लोकतंत्र के लिए खतरनाक दौर का संकेत है।

(लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

मोदी या ट्रंप... कौन रुकवायेगा रूस-यूक्रेन युद्ध? अमेरिकी 'शोर' पर भारी पड़ेगी भारत की 'शांत' कूटनीति

युद्ध से थकी हुई यूरोप की राजनीति, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय तनाव यह संकेत दे रहे हैं कि अब रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की खोज बहुत जरूरी हो गयी है। इस बीच दो घटनाएँ विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। पहली, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात और दूसरी, भारत-यूक्रेन तथा भारत-रूस के बीच ऊँचे स्तर का बढ़ता कूटनीतिक संवाद, जिसमें राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति जेलेंस्की की संभावित भारत यात्रा सबसे अहम है।

यह भी महज संयोग नहीं है कि पुतिन ने ट्रंप से मुलाकात के पहले और बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की। इसके तुरंत बाद जेलेंस्की ने भी मोदी से वार्ता की। इस साल के अंत में पुतिन भारत आने वाले हैं और उससे पहले जेलेंस्की भी भारत आ सकते हैं। यही नहीं, मोदी-पुतिन मुलाकात जल्द ही चीन में होने वाले एससीओ सम्मेलन में होगी तो दूसरी ओर सितंबर में न्यूयॉर्क में मोदी-जेलेंस्की मुलाकात होने की भी पूरी-पूरी संभावना है। साफ है कि कूटनीति के मौन गलियारों में भारत एक ऐसा ध्रुव बन चुका है, जिसके इर्द-गिर्द युद्धविराम की संभावनाएँ गढ़ी जा रही हैं।

एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी शैली के अनुरूप मीडिया के सामने रोज यह दावा करते हैं कि वह युद्ध समाप्त करवा सकते हैं। लेकिन उनका यह दृष्टिकोण ज्यादातर चुनावी और जनमत-निर्माण की राजनीति से जुड़ा है। इसके विपरीत, नरेंद्र मोदी का रुख ज्यादा व्यावहारिक और संतुलित है। वह रूस और यूक्रेन, दोनों से गहन संवाद बनाए हुए हैं और 'यह युद्ध का युग नहीं है' की अपनी उद्घोषणा को अब ठोस प्रयासों से सार्थक बना रहे हैं।

भारत की यह भूमिका ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण है। हम आपको याद दिला दें कि शीतयुद्ध के दौर में भारत ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन के जरिये वैश्विक तनाव को संतुलित करने का प्रयास किया था। आज, वही भूमिका भारत एक जिम्मेदार शक्ति की तरह निभा रहा है। पश्चिम को यह स्पष्ट हो रहा है कि ट्रंप की घोषणाओं से अधिक असरदार है मोदी की 'शांत डिप्लोमेसी', जो न तो शोर मचाती है और न ही श्रेय लेने की होड़ में रहती है।

देखा जाये तो अंतरराष्ट्रीय राजनीति में असली कूटनीति अक्सर सुर्खिय़ों के पीछे घटित होती है। रूस और यूक्रेन दोनों के साथ समान स्तर पर संवाद बनाए रखने की भारत की क्षमता इस बात का प्रमाण है कि नई दिल्ली न केवल इस युद्ध के समाधान की कुंजी रखती है, बल्कि एक नई विश्व व्यवस्था के निर्माण में भी केंद्रीय भूमिका निभा सकती है। इसके अलावा, जहाँ ट्रंप युद्ध समाप्त करवाने के लिए कभी वार्ता तो कभी धमकी देने तथा कभी पेनल्टी के रूप में टैरिफ बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं वहीं मोदी चुपचाप रूस-यूक्रेन युद्ध के समापन की वास्तविक जमीन तैयार कर रहे हैं।

देखा जाये तो रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करवाने की दिशा में चल रहे प्रयासों को देख रही दुनिया के मन में इस समय यही सवाल है कि कौन-सा नेता निर्णायक भूमिका निभा सकता है– डोनाल्ड ट्रंप या नरेंद्र मोदी?

ट्रंप की भूमिका को देखें तो अमेरिका ऐतिहासिक रूप से यूक्रेन का सबसे बड़ा समर्थक रहा है। आर्थिक मदद, हथियार आपूर्ति और कूटनीतिक समर्थन तीनों ही स्तरों पर अमेरिका यूक्रेन की मदद कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने के बाद रूस से नजदीकी साधने की कोशिश की, लेकिन अमेरिका की आंतरिक राजनीति और नाटो की सुरक्षा प्रतिबद्धताओं के कारण वह रूस और यूक्रेन के बीच निष्पक्ष मध्यस्थ की भूमिका नहीं निभा पा रहे हैं। आज भी ट्रंप के प्रयास सीमित हैं क्योंकि अमेरिका का घोषित रुख रूस के प्रति शत्रुतापूर्ण है। इसके अलावा, नाटो की रणनीतिक अनिवार्यता ट्रंप को संतुलित मध्यस्थ नहीं रहने देती। इसके अलावा, पुतिन पर अमेरिकी प्रतिबंध और सैन्य दबाव किसी भी 'विश्वसनीय संवाद' की संभावना को कमजोर करते हैं।

दूसरी ओर, भारत का रुख शुरूआत से ही अलग रहा है। मोदी ने न युद्ध का समर्थन किया, न किसी पक्ष का खुला विरोध किया। भारत ने बार-बार 'संवाद और कूटनीति' की वकालत की है। इससे मोदी की स्थिति विशिष्ट बनती है। भारत-रूस की 'Special and Privileged Strategic Partnership' दशकों पुरानी है। रक्षा, ऊर्जा और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग के कारण पुतिन मोदी की बातों को गंभीरता से लेते हैं। साथ ही मोदी ने जेलेंस्की से भी निरंतर संपर्क बनाए रखा है। जेलेंस्की की संभावित भारत यात्रा इस बात का प्रमाण है कि यूक्रेन भी भारत को भरोसेमंद मध्यस्थ मानता है।

हम आपको यह भी बता दें कि भारत का जी-20 अध्यक्षता काल दिखा चुका है कि भारत पश्चिम और पूर्व, दोनों खेमों के बीच पुल का काम कर सकता है। भारत न तो नाटो का हिस्सा है, न रूस का विरोधी गुट। यही तटस्थता उसे 'सच्चा मध्यस्थ' बनाती है। जहां तक यह सवाल है कि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करवाने की दिशा में मोदी कैसे ट्रंप से अधिक अहम साबित हो सकते हैं? तो इसका जवाब यह है कि पुतिन ट्रंप को एक प्रतिद्वंद्वी राष्ट्र के नेता के रूप में देखते हैं, जबकि मोदी को रणनीतिक साझेदार और मित्र के रूप में देखते हैं। साथ ही ट्रंप केवल यूक्रेन या नाटो के दबाव में नहीं हैं, बल्कि अमेरिकी राजनीति से बंधे हैं। वहीं मोदी दोनों पक्षों से बिना पूर्वाग्रह बातचीत कर सकते हैं। इसके अलावा, भारत की ऊर्जा जरूरतें, आर्थिक क्षमता और भू-राजनीतिक स्थिति उसे युद्धविराम के बाद की 'शांति संरचना' में भी महत्वपूर्ण बनाती है। साथ ही मोदी की 'लीडर-टू-लीडर' डिप्लोमेसी– चाहे ट्रंप हों, पुतिन हों या जेलेंस्की, व्यक्तिगत विश्वास कायम करती है, जो युद्ध सुलझाने में निर्णायक होता है।

बहरहाल, जहाँ ट्रंप की भूमिका अमेरिका की सामरिक अनिवार्यताओं और नाटो की सीमाओं में बंधी है, वहीं मोदी एक 'तटस्थ लेकिन प्रभावशाली' नेता के रूप में उभरे हैं। यदि जेलेंस्की की भारत यात्रा होती है और वर्ष के अंत में पुतिन भी नई दिल्ली आते हैं, तो भारत दुनिया का इकलौता ऐसा मंच बन सकता है जहाँ दोनों नेताओं का संवाद संभव हो। इसलिए रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करवाने की दिशा में डोनाल्ड ट्रंप से कहीं अधिक नरेंद्र मोदी की भूमिका निर्णायक और ऐतिहासिक साबित हो सकती है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

साईबर अपराध से बचाव एवं यातायात जागरुकता हेतु ब्लू बर्ड इंटरनेशनल स्कूल में किया गया पाठशाला का आयोजन

ब्लू बर्ड इंटरनेशनल स्कूल में साईबर सुरक्षा एवं यातायात संबंधित छात्र-छात्रों एवं अध्यापकों को दी गई जानकारी

अमरोहा (सब का सपना):- ब्लू बर्ड इंटरनेशनल स्कूल, बछरायूं में आयोजित साईबर सुरक्षा एवं यातायात जागरूकता कार्यक्रम में स्कूल के छात्र-छात्राओं, अध्यापकों एवं स्टॉफ को साईबर अपराधों के प्रकार, उनके दुष्प्रभाव तथा उनसे बचाव के उपायों के बारे में विस्तृत एवं व्यवहारिक जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान बताया कि वर्तमान डिजिटल युग में साईबर अपराधों के स्वरूप लगातार बदल रहे हैं, जिसमें फिशिंग, व्हाट्सएप हैकिंग, फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल, ऑनलाइन गेमिंग फ्रॉड, बैंकिंग/क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी, ओटीपी फ्रॉड, रिमोट एक्सेस ऐप के माध्यम से ठगी, लॉटरी/गिफ्ट स्कैम, ई-कॉमर्स धोखाधड़ी, और ईमेल हैकिंग जैसे अपराध प्रमुख हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए कहा कि सोशल मीडिया ऐप्स का उपयोग करते समय अपनी व्यक्तिगत जानकारी, बैंक विवरण, पासवर्ड, फोटो या लोकेशन किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करें, संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें और अनजान कॉल अथवा ईमेल पर भरोसा न करें। कार्यक्रम में वास्तविक उदाहरणों के माध्यम से यह समझाया गया कि साईबर अपराधी किस प्रकार तकनीकी और मनोवैज्ञानिक तरीकों से लोगों को जाल में फंसाते हैं। साथ ही, किसी भी प्रकार की साईबर ठगी, आपत्तिजनक सामग्री, ब्लैकमेलिंग या हैकिंग से संबंधित घटना की स्थिति में तुरंत राष्ट्रीय साईबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करने या www. cybercrime. gov.in पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की गई, ताकि त्वरित और प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित हो सके पुलिस अधीक्षक द्वारा विभिन्न हेल्पलाईन नम्बरों 112,1090, 1930 आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी ।तत्पश्चात महोदय द्वारा बच्चों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए जागरूक किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को सड़क पर चलते समय सावधानी बरतने, हेलमेट व सीट बेल्ट के महत्व, यातायात संकेतों व नियमों का पालन करने तथा मोबाइल फोन का प्रयोग न करने जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। बछात्र-छात्राओं से अपील की गय कि वे स्वयं इन नियमों का पालन करें एवं अपने माता-पिता व परिजनों को भी यातायात नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित करें, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हो सके और सभी सुरक्षित रह सकें। कार्यक्रम के अंत में छात्रों से प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें उन्होंने साईबर सुरक्षा से जुड़े अपने सवाल पूछे और पुलिस अधीक्षक द्वारा उनका समाधान किया गया ।

पुलिस अधीक्षक ने किया साइबर सेल के कार्यों का निरीक्षण

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- साइबर अपराध पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने और पीड़ितों को शीघ्र न्याय दिलाने के उद्देश्य से पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के निदेशानुसार जनपद अमरोहा के प्रत्येक थाना परिसर में साइबर सेल का गठन किया गया है। इसी क्रम में सोमवार को पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा थाना गजरौला परिसर में स्थापित साइबर सेल के कार्यों का निरीक्षण कर दर्ज अभिलेखों तथा शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये और यह सुनिश्चित किया कि साइबर अपराधों की रोकथाम एवं पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने में किसी प्रकार की देरी न हो। साइबर अपराधों की घटनाओं की रोकथाम हेतु सम्बन्धित को निर्देश देते हुए बताया गया कि प्रत्येक साइबर शिकायत का त्वरित पंजीकरण एवं प्राथमिक स्तर पर शीघ्र कार्यवाही की जाए। पीड़ितों को तत्काल राहत दिलाने हेतु 1930 हेल्पलाइन व अन्य पोर्टलों के माध्यम से अधिकतम सहयोग सुनिश्चित किया जाए। पीड़ित व्यक्तियों को जागरूक कर उनके खातों से संबंधित त्वरित ब्लॉकिंग / फ्रीजिंग की कार्रवाई तत्काल की जाए। साइबर सेल के कर्मियों को नवीन तकनीकों, ट्रेसिंग टूल्स एवं डेटा एनालिसिस के प्रयोग में दक्ष बनाने हेतु नियमित प्रशिक्षण दिया जाए। आमजनमानस को साइबर अपराध से बचाव हेतु विद्यालयों, कॉलेजों तथा सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएं।

शांतिपूर्ण एवं सौहार्द तरीके से मनाए त्योहार- थाना अध्यक्ष

गणेश चतुर्थी एवं ईद मिलादुन्नबी के जुलूस के संबंध में मीटिंग का आयोजन

सैद नगली/अमरोहा (सब का सपना):- सभी लोग त्योहार को सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाऐ, कोई भी नई परंपरा न डालें। त्यौहार समाज में नई उमंग आपसी सौहार्द पैदा करते हैं। सोमवार को थाना सैदनगली में आगामी त्योहारों गणेश चतुर्थी और ईद मिलादुन्नबी के संबंध में संभ्रांत लोगों की मीटिंग का आयोजन किया गया। थाना अध्यक्ष विकास कुमार ने सभी से त्योहारों को सौहार्दपूर्ण मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि त्योहार समाज में नई उमंग पैदा करते हैं। त्यौहारों को मिलजुल कर मनाओ तो आनंद की अनुभूति होती है। लेकिन त्योहारों पर किसी भी नई परंपरा को न डालें। जुलूस के लिए जो रास्ते निर्धारित हैं उन्ही पर जुलूस निकाला जाए। जुलूस से संबंधित लोगों ने भी अपने-अपने विचार रखे और भरोसा दिलाया कि वह त्योहारों को अच्छी प्रकार से मनाएंगे, कोई भी ऐसा कार्य नहीं करेंगे जिससे समाज एवं किसी भी व्यक्ति के लिए परेशानी उत्पन्न हो। इस मौके पर राजीव बजरंगी, मुकेश गुप्ता, अनुज अग्रवाल, मोहम्मद इमरान, फजल अब्बास, मुफ्ती अख्तर रजा, रहीमुददीन साबरी, अलाउद्दीन सैफी, दिलशाद हुसैन, हाफिज अफसर, शाकिर मसऊदी, शहाबुद्दीन सैफी, मैराज अली, मौ० इरशाद, शाहिद, नदीम अंसारी, जाकिर मंसूरी, जमशेद आलम, इमरान अंसारी, आफक अंसारी, आलम अंसारी, जुनैद अंसारी, वसीम अंसारी, मौलाना गुलाम हुसैन, आस मोहम्मद , शमसुद्दीन सैफी, आरिफ सैफी, शराफत सैफी, तालिब सैफी सहित सैकड़ो लोग मौजूद थे।

जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन के तहत की हर घर नल-हर घर जल योजना की समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल-हर घर जल योजना की समीक्षा हेतु जनपद में किये गये कार्यों की प्रगति के संबंध में बैठक आहूत की गयी। जिलाधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि तेजी से प्रगति करना सुनिश्चित करें ताकि योजना का वास्तविक लाभ आमजन को मिल सके। उन्होंने कहा कि आमजन को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना शासन-प्रशासन की प्राथमिकता में शामिल है, धरातल पर कार्य करते हुए रेगुलर वाटर सप्लाई को बढ़ाया जाए। उन्होंने तोड़ी गई सड़कों का गुणवत्तापरक रीस्टोरेशन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अधिशासी अभियंता एवं डीपीएम टीपीआई को निर्देशित किया कि कार्यदायी संस्थाओं से धरातल पर गुणवत्तापरक कार्य कराना सुनिश्चित किया जाए। समस्त ग्रामों में जल समिति का गठन सुनिश्चित करते हुए जल बचाने और सही उपयोग करने के प्रति जागरूकता कराई जाए। पानी की गुणवत्ता की जांच के लिए गठित समिति को 03 दिन में पानी की जांच कर रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा ऐसे ग्राम जिनमें कनेक्शन अवशेष है, अभियान चलकर कनेक्शन दिए जाए। टीपीआई को निर्देशित किया जिन ग्रामों में सड़कों की मरम्मत हो गई उसका सत्यापन कर फोटो सहित वास्तविक रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। इसके साथ उन्होंने सहायक अभियंता और अवर अभियंता को भी सत्यापन करने के निर्देश दिए। आंगनवाड़ी केंद्रों, विद्यालयों, पंचायत भवनों, सरकारी कार्यालयों सहित सार्वजनिक स्थानों पर भी पानी का कनेक्शन देने के साथ ब्लॉकवार रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। सितंबर माह के लिए लक्ष्य निर्धारित कर कार्ययोजना बनाते हुए तेजी से कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अधिशासी अभियन्ता जल निगम चंद्रहास, सहायक अभियंता शहरोज आरिफ सहित संबंधित अधिकारी तथा संबंधित फर्म के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध डग्गामार वाहनों व यातायात नियम तोड़ने वालों पर यातायात पुलिस ने की कार्रवाई

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में प्रभारी यातायात द्वारा गजरौला चौपला एवं जोया फ्लाईओवर पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान बिना फिटनेस प्रमाणपत्र के संचालित पाँच डग्गामार वाहनों को मौके पर सीज कर दिया गया। इन वाहनों के पास न तो फिटनेस सर्टिफिकेट था और न ही यात्रियों की सुरक्षा के मानक पूरे किए गए थे। इसके अलावा यातायात नियमों का पालन न करने वाले 160 वाहन चालकों का चालान किया गया, जिनमें बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चालक, बिना सीट बेल्ट चारपहिया वाहन चालक, प्रदूषण एवं बीमा प्रमाणपत्र न रखने वाले वाहन शामिल रहे। प्रभारी यातायात ने चेकिंग के दौरान आमजन को जागरूक करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए यातायात नियमों का पालन करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे हमेशा हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग करें, वाहन के सभी कागजात पूरे रखें और निर्धारित गति सीमा का पालन करें। यह अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। अभियानों का उद्देश्य केवल जुमार्ना वसूलना नहीं है, बल्कि लोगों को सड़क सुरक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करना है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सभागार कक्ष में वैवाहिक विवादों में बाल हिरासत के मुद्दों पर विचार

अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उ०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशन में ज्योति चौधरी, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीी/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमरोहा के सभागार कक्ष में माननीय कर्नाटक उच्च न्यायालय के निर्देश के अनुसरण में वैवाहिक विवादों में बाल हिरासत के मुद्दों पर विचार विमर्श किये गये वैवाहिक विवादों में बाल हिरासत के मुद्दों संबंधित मामलों की संवेदनशीलता और जटिलता को देखते हुए और सकटग्रस्त बच्चों और परिवारों के लिए न्याय तक पहुँच सुनिश्चित करने हेतु विधिक सेवा प्राधिकरणों अमरोहा द्वारा निःशुल्क विधिक सहायता देने हेतु पैरा विधिक स्वयं सेवकों एवं निःशुल्क अधिवक्ताओं को निर्देशित किया गया। आहुत बैठक में पैरा विधिक स्वयं सेवक रामनिवास, प्रीति, आलेनवी, कु० रिहाना, लोकमान सिंह, महेश तथा सतेन्द्र कुमार, आरिफ फैजी, नासिर हुसैन आदि पैनल अधिवक्ता उपस्थित रहे। जनपद न्यायाधीश विवेक के निर्देशन में एवं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश / नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत ईश्वर सिंह एवं ज्योति अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश / पूर्णकालिक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में सोमवार को अपर पुलिस अधीक्षक, अरविंद भदौरिया, समस्त श्रेत्राधिकारी, दीप कुमार पन्त हसनपुर, अंजलि कटारिया धनौरा, अवधभान सिंह नौगावा एवं समस्त बैंक अधिकारीगण/कर्मचारी उपस्थित रहे। तथ सभी को राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाये जाने के निर्देशित करते हुए कहा गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करना सुनिश्चित करें, साथ ही साथ यही भी निर्देशित किया गया कि अधिक से अधिक मामलों/वादों को राष्ट्रीय लोक अदालत में चिन्हित कर जनपद अमरोहा की अधिक से अधिक वादकारियों को लाभपहुंचाये तथा आहुत बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमरोहा के समस्त स्टाफ रितिक कुमार, सितिन कुमार, हर्षित आदि उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट सभागार में आईजीआरएस संबंधित बैठक का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार में आईजीआरएस से संबंधित बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने असन्तुष्ट फीडबैक की सन्दर्भो की समीक्षा करते हुये कहा कि सन्दभों की सन्तुष्ट गुणवत्ता को देखा जाये। निस्तारण उपरान्त शिकायतकर्ता से वार्ता की जाये कि वह सन्तुष्ट है अथवा असन्तुष्ट। उन्होनें कहा कि स्थलों का निरीक्षण भी किया जाये ताकि मौके की स्थिति का पता चले। जिलाधिकारी ने विभागों के लंबित संदर्भों की जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि पहते के संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी इसकी समीक्षा शासन स्तर पर की जाती है सभी विभाग प्रतिदिन अपने स्तर से समीक्षा अवश्य करें और गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण करें। उन्होनें सख्त निर्देश देते हुये कहा कि शासन के अनुपालन में निस्तारण किया जाये और फीडबैक पर अवश्य ध्यान दिया जाये। उन्होनें कहा कि निस्तारण अवधि की जो समयसीमा निश्चित है उससें 05 दिन पूर्व शिकायत का निस्तारण किया जाये। उन्होनें कहा कि प्रतिदिन संदर्भों को अनमार्क से कार्यालय स्तर या अधीनस्थ्य को प्रेषित किया जाये ताकि उसका निस्तारण उचित प्रकार एवं समय से किया जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि अपने-अपने आईजीआरएस प्रोफाईल को संशोधन अवश्य कर लें। बैठक में अपर उप जिलाधिकारी बृजपाल सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी सतवाल सिंह, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डा0 आभा दत्त, तहसीलदार एवं अधिशासी अधिकारी नगर पालिका व नगर पंचायत आदि सहित संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने की पी0एम0 सूर्य घर योजना की वृहत समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में पीएम सूर्य घर योजनांतर्गत जनप्रतिनिधियों, संबंधित विभागीय अधिकारियों, विभिन्न संघ के पदाधिकारीगण एवं वेंडर्स के साथ बैठक आयोजित की गयी। निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि यह सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, इसमें सभी अधिकारी व्यक्तिगत रुचि लेते हुए योजना के अंतर्गत जनपद को आंवटित लक्ष्य के सापेक्ष शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को प्रेरित करते हुए ऑनलाईन पंजीकरण कराने के उपरान्त उन्हे शत-प्रतिशत योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। इसके लिए उन्होंने विभागवार अधिकारियों को अगस्त एवं सितंबर माह के लक्ष्य निर्धारित करते हुए शत प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि संचालित योजना की विस्तृत जानकारी लाभार्थी को उपलब्घ करायी जाए एंव ऑनलाईन पंजीकरण किये जाने में लाभार्थी को जो भी समस्या उत्पन्न हो रही है,उनको विभाग द्वारा समन्वय स्थापित करते हुए तत्काल समाधान किया जाय। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता द्वारा सोलर संयंत्रो की स्थापना में व्यय की गयी धनराशि की प्रतिपूर्ति विद्युत बिल के बचत के रूप में 3 से 4 वर्षों में हो जाती है। संयंत्र का जीवन काल लगभग 25 वर्षों का होता है। अतः शेष 20 वर्षों तक सयंत्र से उत्पादित विद्युत उपभोक्ता को निःशुल्क प्राप्त होती रहेगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि पीएम सूर्यघर योजना से संबंधित लोन पत्रावालियों को बैंक में अनावश्यक रूप से लम्बित न रखा जाए। उन्होंने कहा कि प्राप्त पत्रावलियों को एक सप्ताह के अंदर निस्तारित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि आमजन के मध्य योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए और सोलर पैनल लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। सभी संबंधित अधिकारियों को योजना का लाभ आमजन को दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की बात कही। परियोजना अधिकारी, यूपीनेडा ने योजना के बारे में बताते हुए कहा कि योजनान्तर्गत केन्द्र सरकार के अनुदान के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भी विद्युत घरेलू उपभोक्ताओ को अनुदान प्रदान किया जा रहा है। पीएम सूर्य घर योजना मुफ्त बिजली योजना के तहत 01 से 10 किलोवाट तक स्थापित संयंत्रों पर सब्सिडी का लाभ दिया जाएगा। 45 हजार से लेकर करीब 1.08 लाख रुपये का अनुदान मिल सकता है। योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु नेशनल पोर्टल https:// pmsuryaghar. gov.in पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्थापना विभिन्न बैंको द्वारा मात्र 07 प्रतिशत ब्याज दर पर बैंक ऋण की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर उपलब्ध अधिकृत वेंडर के माध्यम से ही सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित कराया जाए। इस अवसर पर कुछ लाभार्थियों द्वारा योजना के तहत अपने घर पर लगाए गए सोलर प्लांट के फायदे के बारे में अनुभव साझा किए। लाभार्थी अंकित ने बताया कि उनके घर का बिजली बिल 03 से 04 हजार के बीच आता था। उन्होंने 03 किलोवाट का सोलर प्लांट लगवाया। इस माह उनके घर का बिल केवल 267 रुपए आया। सलिल ठाकुर ने बताया कि उनका हर माह 06 से 07 हजार का आने वाला बिल केवल 1000 से 1200 तक आता है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, नगर पालिका अध्यक्ष हसनपुर राजपाल सैनी, ब्लॉक प्रमुख हसनपुर प्रतिनिधि, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद गजरौला प्रतिनिधि विपिन सिंह, अध्यक्ष नगर पंचायत सैदनगली प्रतिनिधि अभिनव कौशिक, पीओ नेडा सीपी वर्मा, एलडीएम अधीक्षण अभियंता विद्युत, खंड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी, शिक्षक संघ, सफाई कर्मचारी संघ और प्रधान संघ के पदाधिकारीयो सहित अन्य अधिकारी एवं इम्पैनल्ड वैण्डर्स आदि उपस्थित रहे।

अधीनस्थ कृषि सेवा संघ ने मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सौपा

ई खसरा पड़ताल राजस्व विभाग का मूल कार्य

शामली (सब का सपना):- सोमवार को कलेक्ट्रेट पर अधीनस्थ कृषि सेवा संघ उत्तर प्रदेश जनपद शाखा शामली के सदस्यो द्वारा प्रान्तीय आह्वान पर मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को सम्बोधित ज्ञापन जिलाधिकारी शामली को सौपा। ज्ञापन के माध्यम से संघ के सदस्यो द्वारा ई खसरा पड़ताल कार्य से कृषि विभाग के कृषि प्राविधिक सहायको को अलग करने की मांग की। वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहित काम्बोज ने बताया कि कृषि प्राविधिक सहायक कृषि विभाग की महत्वपूर्ण योजनाओ मृदा परीक्षण, किसान प्रशिक्षण, जैविक खेती, परम्परागत व प्राकृतिक खेती, सतत कृषि प्रणाली, क्षेत्रीय प्रदर्शन, विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत किसान जागरूक कार्यक्रम आयोजन, किसान पाठशाला, कृषि यंत्रीकरण, फसल अवशेष प्रबंधन, पीएम-किसान सम्मान निधि योजना, विकासखण्ड, जनपद स्तरीय व मण्डल स्तर किसान मेला आदि योजनाओ का समयबद्ध संचालन करते है। डिजिटल क्रॉप सर्वे अन्तर्गत ई खसरा पड़ताल का पुर्ण बहिष्कार किया व कहा कि ई खसरा पड़ताल कार्य राजस्व व आपदा विभाग का मुल कार्य है कृषि विभाग कार्य नही है। शासन द्वारा अन्यायोचित आदेश जारी कर ई खसरा पड़ताल कार्य करने के लिए कृषि विभाग पर जबरन दबाव बनाया

जा रहा है। जिसका संघठन पुरे जोर से विरोध प्रदर्शन करता है। जिला मंत्री ने कहा कि राजस्व विभाग खसरा पड़ताल कार्य पहले आफलाइन करते थे। वर्ष 2023 मे भारत सरकार द्वारा भ्रष्टाचार जीरो टॉलरेंस नीति अन्तर्गत आफलाइन खसरा को तकनीक उन्नयन करते हुए एग्री स्टैक योजनान्तर्गत एप के माध्यम से ई खसरा पड़ताल कर दिया। इसे करने के लिए सम्बन्धित राजस्व विभाग के लेखपाल किसान के खेत पर जाना पडता है। इस कार्य को खरीफ 2025 मे लेखपाल से नही कराया जा रहा है। लेखपाल के स्थान पर प्राइवेट सर्वेयर से कराने के आदेश शासन द्वारा जारी किये गये है। कार्य की समयबद्धता देखते हुए यदि प्राइवेट सर्वेयर कम होने की दशा मे विकास विभाग, कृषि, गन्ना, पंचायत विभाग के संविदा कर्मी या प्राइवेट सर्वेयर समकक्ष से कराने के आदेश शासन द्वारा पारित किए है। जिसमे कृषि प्राविधिक सहायको जोकि लेखपाल से उच्च ग्रेड पे व शैक्षिक योग्यता रखते है उनके द्वारा भी कराये जाने के आदेश शासन द्वारा पारित किए है जोकि कृषि विभाग व उनके कृषि प्राविधिक सहायको का मानसिक उत्पीड़न का धोतक है व अप्रत्यक्ष रुप से मनोबल कम व हतोत्साहित करने का काम शासन द्वारा किया गया है। जिसका पुरजोर विरोध संघ करता है व साथ ही अपील करता है कि ई खसरा पड़ताल कार्य राजस्व व आपदा विभाग के लेखपाल से ही कराया जाए। इस अवसर पर संघठन मंत्री संजीव कुमार, रविन्द्र कुमार, अजय तोमर, कृष्णावतार, विशु कुमार, सोनु कुमार, प्रवीन चहल, नीरज कुमार, भावना, सोनु कुमार, प्रदीप, पोरष कुमार, शिवकुमार सिरोहा, विजयवीर चौहान, अल्ताफ अली, ब्रिजेश कुमार, श्यामलाल, जितेंद्र कुमार, अनिल परमार आदि मौजूद रहे।

जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने धान उत्पादक को लेकर किसानों को दिए परामर्श

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के जिला कृषि रक्षा अधिकारी मनोज कुमार ने जनपद के धान उत्पादक किसान भाईयों को परामर्श देते हुए कहा कि अमरोहा समेत 30 जनपदों में उत्पादित बासमती चावल के निर्यात में बाधक बने 10 कीटनाशकों की बिक्री और इस्तेमाल उत्तर प्रदेश शासन कृषि अनुभाग-2 , लखनऊ के द्वारा ट्राईसाईक्लाजोल, क्लोरपाईरीफास, इमिडाक्लोप्रिड, प्रोपिकोनाजोल, बुप्रोफेजिन, एसिफेट, टेबुकोनाजोल, थायोमेथाक्साम, प्रोफेनोफास, हेक्साकोनाजोल एवं कार्बेन्डाजिम, कार्बोफयूरॉन 60 दिन के लिए प्रतिबंधित कर किये गये है। इन कीटनाशकों के मिश्रण यानी साल्ट से बने अन्य कीटनाशक का भी उपयोग नहीं हो सकेगा। इसीलिए जनपद के समस्त कीटनाशक विक्रेताओं को निदेर्शित किया जाता है कि उपरोक्त प्रतिबंधित कीटनाशक रसायनों की बिक्री 60 दिन के लिए प्रतिबंधित की जाती है यदि निदेर्शों का पालन नहीं किया जाता है तो उनके विरूद्ध कीटनाशी अधिनियम 1968 की धारा 27 की उपधारा (1) के अधीन कार्यवाही की जायेगी जिसके लिए विक्रेता स्वयं उत्तरदायी होंगे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय नारकोटिक्स कोऑर्डिनेशन सेंटर (NCORD) समिति की बैठक

हापुड़ (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अभिषेक पांडेय की अध्यक्षता में जिला स्तरीय नारकोटिक्स कोऑर्डिनेशन सेंटर (NCORD) समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस क्षेत्राधिकारियों सहित विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिसमें आबकारी विभाग, एनसीबी, एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स, खाद्य सुरक्षा, औषधि विभाग, क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो आदि प्रमुख हैं। बैठक का मुख्य उद्देश्य नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार को रोकने के लिए विभागों के बीच समन्वय बढ़ाना और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करना था। बैठक में विभागों द्वारा गत माह में किए गए कार्यों की समीक्षा की गई और आगे की रणनीतियों पर चर्चा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद में संचालित दवाइयो की फैक्ट्री व मेडिकल स्टोर पर निरंतर निरीक्षण करते हुए अधिकारी दवाइयो में नशीले पदार्थ की मिलावट को रोकने हेतु जांच करते रहें। जिलाधिकारी ने औषधि विभाग के अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा अगर कोई भी मेडिकल स्टोर बिना लाइसेंस के पाया जाता है तो उसे तत्काल सील किया जाए तथा उस पर कार्यवाही की जाए। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि जनपद में जो भी मेडिकल स्टोर संचालित है उनके बाहर एक बोर्ड लगा होना अनिवार्य है जिस पर लिखा हो कि हमारे यहां किसी भी प्रकार की नशीली दवाइयां व ड्रग्स नहीं मिलते हैं तथा टोल फ्री नंबर भी अनिवार्य रूप से लिखा हो। जिलाधिकारी ने जनपद के सभी संबंधित पुलिस क्षेत्राधिकारियों को निर्देश दिए कि ड्रग्स बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए तथा ' बैठक में सभी पुलिस क्षेत्राधिकारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

हसनपुर के वरिष्ठअधिवक्ताओं के प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी अमरोहा निधि गुप्ता से की भेंट

तहसील भवन के निकट शीघ्र सब रजिस्ट्री कार्यालय स्थानांतरित करने की मांग की

हसनपुर अमरोहा (सब का सपना) जावेद चौधरी:- तहसील बार एसोसिएशन हसनपुर के वरिष्ठ अधिवक्ताओं के प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी अमरोहा निधि गुप्ता वत्स से भेंट की। नवनिर्मित तहसील परिसर में व्याप्त समस्याओं के निराकरण की मांग की । तहसील बार के महासचिव मदन कुमार, निवर्तमान अध्यक्ष गंगा सरन खड़गवंशी,पूर्व अध्यक्ष मुजाहिद चौधरी व महीपाल सिंह तथा श्यौराज सिंह राणा तथा भाजपा के जिला उपाध्यक्ष अध्यक्ष मयंक अग्रवाल ने जिलाधिकारी से ग्राम करनपुर माफी स्थित नवनिर्मित तहसील परिसर में चकबंदी कार्यालयों व न्यायालयों की स्थापना तथा तहसील के निकट सब रजिस्ट्री कार्यालय की स्थापना की आवश्यकता बताते हुए नवीन तहसील भवन के निकट शीघ्र सब रजिस्ट्री कार्यालय स्थानांतरित करने की मांग की। जिलाधिकारी द्वारा गंभीरतापूर्वक अधिवक्ताओं की मांगों को सुना गया और शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया । वहीं दोपहर बाद तहसील बार एसोसिएशन हसनपुर के अध्यक्ष चंद्र सैन अग्रवाल के नेतृत्व में वरिष्ठ अधिवक्ताओं के एक प्रतिनिधि मंडल ने हसनपुर के उप जिलाधिकारी पुष्कर नाथ चौधरी भेंटकर तहसील हसनपुर के नवनिर्मित परिसर में चकबंदी न्यायालयों व कार्यालयों की स्थापना हेतु वार्ता की । उपजिलाधिकारी द्वारा गंभीरतापूर्वक अधिवक्ताओं की मांगों को सुना गया और जिलाधिकारी से वार्ता करने और अधिवक्ताओं की समस्याओं का शीघ्र निराकरण करने का आश्वासन दिया गया । एसडीएम हसनपुर से वार्ता करने वालों में बार के अध्यक्ष चंद्र सैन अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष गंगा सरन खड़गवंशी व मुजाहिद चौधरी,श्यौराज सिंह राणा, सुबोध शर्मा,नरेश पाल सिंह,मेघराज सिंह,विजेंद्र गहलोत व मयंक अग्रवाल, चन्द्र सैन अग्रवाल एडवोकेट व लाखों की तादाद में लोग शामिल रहे।

'मुझे कोई पछतावा नहीं है, खेत में प्रेमी कौ खौफनाक मौत देने वाली मुन्नी ने क्या बताया?

अमरोहा। प्रेमी की हत्या करने वाली मुन्नी देवी को अपने किए पर जरा भी पछतावा नहीं है। न ही उसके दिल-दिमाग पर किसी तरह का खौफ। शायद वह हरपाल से आजिज आ चुकी थी। सिर पर फुंकनी लगने के बाद जैसे ही हरपाल नीचे गिरा तो मुन्नी ने उसके गले पर पैर रख दिया। मौत होने तक गले में पैर रखकर खड़ी रहीं। जब गांव में तलाश शुरू हुई तो उसने खुद ही मृतक के स्वजन को शव के बारे में जानकारी भी दी। तीन साल से हरपाल और मुन्नी के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। मुन्नी अपने पति की दूसरी पत्नी है। उसके परिवार में केवल एक ही बेटा है। आरोप है कि तीन साल पहले मुन्नी से प्रेम प्रसंग होने के बाद हरपाल ने उसकी वीडियो व ऑडियो रिकॉर्ड कर ली थीं। जिसके सहारे वह ब्लैकमेल कर रहा था। काफी समझाने के बाद भी नहीं मान रहा था। तंग आकर मुन्नी ने उसे रास्ते से हटाने का मन बना लिया था। हरपाल के बुलाने पर वह घर से फुंकनी लेकर उससे मिलने खेत में चली गई थी। वहां दोनों के बीच कहासुनी भी हुई थी। इसी दौरान मुन्नी ने जैसे ही हरपाल के सिर फुंकनी से दो वार किए तो वह जमीन पर गिर गया था। फिर वह हरपाल के गले पर पैर रख कर खड़ी हो गई और उसे उठने का मौका भी नहीं दिया। हरपाल की सांस थमने के बाद ही मुन्नी ने गले से पैर हटाया। हत्या कर वह हरपाल का मोबाइल साथ ले गई और उसे अपने खेत पर बोंगे में छुपा दिया। खून से हाथ रंग कर वह सामान्य रूप से घर पहुंची। किसी को अहसास तक नहीं होने दिया। रविवार को जब हरपाल के स्वजन ने उसकी तलाश शुरू की तो शाम को मुन्नी ने खुद ही बता दिया कि उसका शव खेत में पड़ा है। गिरफ्तारी के बाद मुन्नी ने कहा कि उसे किए पर कोई पछतावा नहीं है। हरपाल उसे लगातार प्रताड़ित कर रहा था। उसकी हत्या करने के अलावा कोई चारा नहीं था।

घर में शौच कर रहे बच्चे पर आवारा कुत्ते ने किया हमला, नोच कर किया गंभीर रूप से घायल

चंदौसी । एनसीआर में डाग बाइट के बढ़ते मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने प्रदेश सरकार और स्थानीय निकायों को आवार कत्तों की नसबंदी तथा बीमार और आक्रामक कुत्तों को शेल्टर होम में रखने के आदेश जारी किए थे। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आदेश का असर नजर नहीं आ रहा है। सोमवार को घर में शौच कर रहे मासूम पर आवारा कुत्ते ने अंदर घुसकर हमला कर दिया और गंभीर रूप से घायल कर दिया। मां का शोर सुनकर अन्य लोग कुत्ते को मारने के लिए दौड़े तब उसने मासूम को छोड़ा। उसे गंभीर हालत में संभल के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिला बदायूं के उघैती क्षेत्र के गांव करयामई निवासी ललतेश का एक वर्षीय बेटा कार्तिक को उसकी पत्नी सोमवार की सुबह घर पर शौच करा रही थी। मुख्य द्वार खुला होने के कारण गांव का एक आवार कुत्ता घर में घुस आया। महिला कुछ समझती उससे पहले ही कुत्ते ने कार्तिक पर हमला कर दिया। ललतेश की पत्नी ने शोर मचाकर कुत्ते से मासूम को बचाने लगी, शोर शराबा सुनकर परिवार के अन्य लोग मौके पर आ गए और बमुश्किल कुत्ते को भगाकर मासूम को उसके चंगुल से बचाया। लेकिन तब कुत्ता मासूम के माथे व होट पर जख्म दे चुका था। परिवार के लोगों ने तुरंत उसे चंदौसी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां डाक्टरों ने मासूम का इलाज शुरू किया। बच्चे को तुरंत एंटी-रेबीज इंजेक्शन लगाया गया और अन्य आवश्यक उपचार दिए गए। उसके बाद उसे संभल जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। घटना के बाद से परिवार व के साथ गांव में डर का माहौल है और ग्रामीणों ने गांव में घूम रहे कुत्तों को पकड़ने की मांग की, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों। एक साल में कई बार आक्रामक हो चुके हैं कुत्ते 06 अगस्त 2025 - गुन्नौर तहसील के नगर बबराला की लेखपाल कालोनी में एक आवारा कुत्ते ने आठ वर्षीय मासूम पर हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया। मासूम की चीख-पुकार सुनकर आए स्वजनों ने उसे बचाया। बच्चे को स्थानीय स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उसका उपचार चल रहा है। कुत्ते के हमले की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घायल बच्चे की पहचान मुदित पुत्र भुवनेश कुमार उर्फ टीटू ठाकुर के रूप में हुई है। घटना के समय वह कालोनी में खेल रहा था। सीसीटीवी फुटेज में साफ है कि बिना किसी छेड़छाड़ के अचानक एक कुत्ता उस पर झपट पड़ा और नोंच-नोंच कर घायल कर दिया। हमले के दौरान बच्चे के शरीर पर कई गहरे जख्म हो गए। चिकित्सकों के अनुसार बच्चे की हालत स्थिर है, लेकिन उसे मानसिक और शारीरिक दोनों तरह का आघात पहुंचा है। चंदौसी में पागल कुत्ते ने पांच पर किया हमला घायल 21 जुलाई 2025- चंदौसी के सीकरी गेट क्षेत्र में एक पागल कुत्ते ने दो मासूम बच्चों समेत कुल पांच लोगों को काटकर घायल कर दिया। सबसे पहले कुत्ते ने युवक जीशान पुत्र तस्लीम को काट लिया, उसके बाद वहीं मौजूद नौ वर्षीय मानसा पुत्री लक्ष्मण और सात वर्षीय अमाया को भी काट लिया, उसके बाद लोगों ने जैसे-तैसे लाठी-डंडों की मदद से कुत्ते को काबू में करने की कोशिश की। लेकिन वह काबू में नही आया, और उसके बाद दो बुर्जुग जगदीश गुप्ता, दिलशाद को भी काट लिया, उसके बाद लोगों ने बड़ी मुश्किल से कुत्ते को भगाया।

भाकियू (अ) ने किसानों की समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन, कई मांगें उठाई

बहजोई/संभल (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन के कार्यकताओं ने जिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपकर जिले में किसानों की विभिन्न समस्याओं पर ध्यान आकर्षित किया। यूनियन के पदाधिकारियों ने कृषि मंडियों की भूमिका बढ़ाने, गन्ना मिलों में अनियमितताओं की जांच, पुलिस उत्पीड़न रोकने समेत कई मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में कुल बिंदुओं पर जोर दिया गया, जिसमें किसानों की फसलों की वैल्यू एडिशन, भूमि अतिक्रमण और सड़क मरम्मत जैसे विषय शामिल हैं। यूनियन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह रंधावा के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने ज्ञापन सौंपा। इसमें कहा गया कि जिले की कृषि उत्पादन मंडी समितियां केवल खरीद तक सीमित रह गई हैं। इनकी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए पैकेजिंग,

लोडिंग और बोर्डिंग का कार्य मंडी संगठन द्वारा किया जाना चाहिए। साथ ही, मंडियों में किसानों की फसलों की वैल्यू एडिशन के लिए धान मिल, ऑयल मिल आदि संयंत्रों की स्थापना और भंडारण की व्यवस्था की जानी चाहिए। ज्ञापन के एक अन्य बिंदु में गन्ना ग्रोथ एवं कीटनाशक के रूप में प्रयोग होने वाली कोराजन ड्यूपॉन्ट मिल प्रबंधन पर आरोप लगाया गया। इसमें कहा गया कि मिल प्रबंधन खुले बाजार में उत्पाद बेच रहा है। मिल प्रबंधन द्वारा पेस्टीसाइड की एक्सपायरी जांच किए बिना परमिट बेचे जा रहे हैं। गन्ना खरीद के लिए निर्धारित समर्थन मूल्य 370 रुपये प्रति क्विंटल के बजाय 361 रुपये प्रति क्विंटल में खरीदा गया। इससे 9 रुपये प्रति क्विंटल का अंतर हुआ, जो करोड़ों रुपये में बनता है, लेकिन मिल प्रबंधन ने 11 रुपये प्रति क्विंटल का भाड़ा भी हड़प

लिया। इसके अलावा, 4.7 रुपये प्रति क्विंटल हेल्पर के नाम पर मिलने वाली राशि भी मिल प्रबंधन द्वारा हड़पी गई। यूनियन ने इस प्रकरण की जांच कर कार्रवाई की मांग की। पुलिस थानों में उत्पीड़न पर अंकुश लगाने की मांग करते हुए कहा गया कि थाना स्तर पर लोगों के साथ उत्पीड़नात्मक कार्रवाई की जा रही है। थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों को चालू रखा जाए और उच्चाधिकारी स्तर पर उनकी मॉनिटरिंग की जाए। साथ ही, थानों में आने वाले लोगों को विश्वास में लेकर भारी-भरकम दलाली पर रोक लगाई जाए। खतौनी में अंश निर्धारण की विसंगतियों को अविलंब सुधारने, मंडी समिति बहजोई से चितनपुर सड़क मार्ग की मरम्मत कराने और मंडी समिति के नजदीक ग्राम मदारा, चितनपुर आदि में धान खरीद के सरकारी केंद्र पूर्व वर्षों की भांति स्थापित करने की भी मांग की गई। ज्ञापन सौंपने वालों में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह रंधावा, युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौहान, जिला प्रवक्ता दिनेश यादव, युवा जिला प्रवक्ता प्रवीण कुमार, तहसील अध्यक्ष गुन्नौर उम्मेद सिंह, राष्ट्रीय सचिव उम्मेद सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष बहजोई सत्यवीर सिंह, जिला अध्यक्ष मुरादाबाद सतीश काजला, युवा मंडल अध्यक्ष मुरादाबाद वीरेश यादव, प्रमुख महासचिव शिशुपाल सिंह, जिला अध्यक्ष संभल शंकर सिंह यादव, किशन पाल राणा, महासचिव रमित मागी, अशोक यादव, सत्यवान सिंह, मीडिया प्रभारी उज्वल सिंह, पप्पू भारत, ओमकार सिंह और जिला अध्यक्ष रामपुर अनूप प्रताप शामिल रहे।

मुख्य विकास अधिकारी ने किया सरकारी स्कूलो का निरीक्षण

छात्र-छात्राओं की शैक्षिक गुणवत्ता पर दे विशेष ध्यानः-हिमांशु गौतम।

हापुड़ (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम के द्वारा प्राथमिक विद्यालय इंटौरी, सादिकपुर तथा अकडोली व जूनियर विद्यालय अकडोली विकासखंड हापुड़ का औचक निरीक्षण किया गया। प्राथमिक विद्यालय में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा छात्राओं की शिक्षा गुणवत्ता परखी इसके उपरांत मुख्य विकास अधिकारी ने अध्यापकों को निर्देश दिए की कुछ छात्रों की शिक्षा पद्धति पर विशेष ध्यान दिया जाए। प्राथमिक विद्यालय में साफ सफाई की व्यवस्था के निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा प्राथमिक विद्यालय में छात्रछात्राओं को दिए जाने वाले मिड डे मील की गुणवत्ता की भी जांच की। इसके उपरांत प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय सभी अध्यापक गण उपस्थित मिले। सीडीओ ने प्रधानाध्यापक को निर्देश दिए कि बच्चों की उपस्थिति शत प्रतिशत कराना सुनिश्चित करें। कक्षा एवं विद्यालय परिसर में साफ सफाई की व्यवस्था सही पाई गई।

सीएम रेखा गुप्ता पर हमला आपराधिक साजिश, आरोपी राजेश का साथी तहसीम भी गिरफ्तार

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपित राजेश भाई खिमजी के साथी तहसीम को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पिछले दो दिनों से तहसीम से की जा रही पूछताछ में पुलिस की जांच साजिश की ओर ही इशारा कर रही है। जांच से पुलिस इस नतीजे पर पहुंची है कि मुख्यमंत्री पर हमला सोची समझी रणनीति के तहत की गई थी। इसलिए मुकदमे में पुलिस साजिश रचने की धारा भी जोड़ सकती है। उधर आरोपित राजेश भाई खिमजी के बारे में पुलिस को राजकोट के भक्तिनगर थाने का हिस्ट्रीशीटर होने की जानकारी मिली है। तहसीम को भेजा था वीडियो तहसीम को राजकोट से शनिवार सुबह पूछताछ के लिए दिल्ली लाया गया। राजेश भाई

खिमजी ने सीएम पर हमला करने से एक दिन पहले मंगलवार को शालीमार बाग स्थित उनके घर के बाहर का वीडियो बनाकर तहसीम को ही भेजा था। उसके बाद तहसीम ने उसे मदद के तौर पर दो हजार रुपये भेज दिया था। पुलिस का कहना है कि मंगलवार को दिल्ली पहुंचने के बाद राजेश और तहसीम के बीच कई बार बात हुई थी। जिससे पुलिस को तहसीम पर शक गहरा गया था। राजेश भाई खिमजी के मोबाइल की

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमले के मामले में पुलिस ने आरोपी राजेश खिमजी के साथी तहसीम को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में पता चला है कि यह हमला एक आपराधिक साजिश का हिस्सा था। राजेश ने हमले से पहले रेखा गुप्ता के घर का वीडियो तहसीम को भेजा था और तहसीम ने उसे पैसे भेजे थे। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

जांच करने पर दोनों के बीच चैटिंग से भी हमले को लेकर लंबी बात हुई थी। इसके अलावा राजेश ने पत्नी, मामा और तीन-चार साथियों से बातचीत की थी। मंगलवार को दिल्ली आने के बाद और बुधवार सुबह हमला करने से पहले तक राजेश की जिन लोगों से बात हुई थी उन सभी से पूछताछ करने दिल्ली पुलिस की टीम शुक्रवार को राजकोट गई थी। वहां सभी से पूछताछ करने के बाद शनिवार को वापस लौट आई। पुलिस शक के आधार पर पूछताछ करने तहसीम को अपने साथ दिल्ली लेकर आ गई थी। यहां उससे सभी एजेंसियों ने पूछताछ कर रही है।

दिल्ली मेट्रो में प्रतिदिन 60 लाख यात्रियों ने किया सफर, अगस्त में इस दिन बना था नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 24 दिसंबर 2002 को पहली बार रेड लाइन पर शाहदरा और तीस हजारी के बीच मेट्रो परिचालन का उद्घाटन किया था। अगले दिन यानी 25 दिसंबर 2002 को दिल्ली के लोगों ने पहली बार मेट्रो में सफर किया था। अब दिल्ली एनसीआर में मेट्रो नेटवर्क बढ़कर 393 किलोमीटर हो गया है और इसकी पहुंच 288 स्टेशनों तक हो गई है। वर्तमान में प्रतिदिन 60 लाख से अधिक यात्री मेट्रो में सफर करते हैं। 8 अगस्त को एक दिन में सर्वाधिक 81.87 लाख लोगों ने मेट्रो में सफर कर नया रिकॉर्ड बनाया था। इससे पहले एक दिन में सर्वाधिक यात्रियों की संख्या 18 नवंबर 2024 को दर्ज की गई थी। तब 78.67 लाख लोगों ने मेट्रो में सफर किया था। दिल्ली मेट्रो की गिनती दुनिया के सबसे बड़े मेट्रो नेटवर्क में होने लगी है। वर्तमान में, चौथे चरण में तीन नए कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है, जिनकी लंबाई 65 किलोमीटर होगी। इससे निकट भविष्य में मेट्रो नेटवर्क लगभग 450 किलोमीटर तक पहुंच जाएगा।

राजधानी का हाल तो देखिए, सड़क धंसकर हुआ गहरा गड्ढा, द्वारका के लोगों में मचा हाहाकार

पश्चिमी दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली में द्वारका थाना क्षेत्र स्थित सेक्टर-16 बी में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के पास रविवार सुबह हुई वर्षा के बीच जलभराव से सड़क का एक हिस्सा धंस गया। इस घटना ने स्थानीय लोगों और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा, क्योंकि द्वारका क्षेत्र में यह एक प्रमुख मार्ग है। वहीं, प्रशासन ने लोगों से वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने और मरम्मत कार्य पूरा होने तक सावधानी बरतने की अपील की है। काफी व्यस्त मानी जाने वाली इस सड़क के धंसने से क्षेत्र में यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। कोई राहगीर या वाहन चालक जो इस घटना से अंजान है, उसके लिए प्रभावित सड़क को बैरिकेड्स लगाकर बंद कर दिया गया है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। वहीं, डीडीए की टीमें मौके पर पहुंची और और नुकसान का आकलन कर मरम्मत कार्य शुरू कर दिया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि जलभराव और सड़क की सतह की संरचनात्मक कमजोरी इस हादसे का कारण हो सकती है।

कलक्ट्रेट सभागार बहजोई में सैनिक कल्याण से संबंधित बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार बहजोई में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट एवं अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा की अध्यक्षता में सैनिक कल्याण से संबंधित बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमाण्डर संदीप चड़ढा द्वारा पूर्व बैठक में रखे गये प्रकरण पर क्या कार्यवाही हुई उसके विषय में अवगत कराया। राशन की दुकान में पूर्व सैनिकों के लिए कितनी दुकानें आरक्षित होती हैं तथा कितनी राशन की दुकानें जनपद में आवंटित हैं उसके विषय में पूर्व

सैनिकों द्वारा जानकर प्राप्त की गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि आगामी बैठक में इससे संबंधित सूचना उपलब्ध कराएं। मुख्य विकास अधिकारी ने पूर्व सैनिकों से अपील करते हुए कहा कि ग्राम कुल की बैठकों में सम्मिलित हों तथा प्राथमिक शिक्षा को आगे बढाएं। ग्राम प्रधान को साथ लेकर ग्राम के विकास में सहभागी बने। भूमि विवाद, सड़क आदि के प्रकरण भी रखे गये। जमीन क्रय करने के मामले में अपर जिलाधिकारी ने जमीन क्रय के संबंध में अस्थायी कब्जा, तारबंदी से संबंधित दिशा निर्देश दिए। बैठक के अन्तर्गत आर्म्स लाइसेंस, मोबाइल कैंटीन, पट्टे की श्रेणी में बदलाव, अनाज मंडी में दुकान आवंटन, भूमि से संबंधित मामले आदि पर चर्चा की गयी। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी संदीप चड्ढा, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक परिषद के जिलाध्यक्ष हरप्रसाद यादव, गौरव यादव, रविन्द्र कुमार, राजकुमार शर्मा, रणवीर सिंह आदि उपस्थित रहे।

आई जी आई एयरपोर्ट पर पकड़ा गया 24.8 करोड़ का गांजा, एक तस्कर गिरफ्तार; पूछताछ में उगलेगा गहरे राज

नई दिल्ली। दिल्ली में आईजीआई एयरपोर्ट पर गांजा तस्करी का एक बड़ा मामला सामने आया है। इस मामले में एक भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। इसके कब्जे से 24.8 करोड़ रुपये मूल्य का गांजा बरामद हुआ है। मामले की जांच जारी है। आरोपी ने कस्टम को चकमा देने के लिए बैंकाक से सीधे नई दिल्ली के लिए उड़ान न भरकर पहले बैंकाक से सिंगापुर और फिर सिंगापुर से नई दिल्ली की उड़ान ली। लेकिन उसकी यह चालाकी धरी की धरी रह गई। इस महीने बैंकाक से तस्करी की यह दूसरी बड़ी घटना है। केवल अगस्त महीने में बैंकाक से करीब 44 करोड़ का गांजा बरामद किया जा चुका है। आरोपी यात्री 20 अगस्त को उड़ान संख्या टीआर 617 से बैंकाक से सिंगापुर पहुंचा। यहां एक दिन ठहरने के बाद 21 अगस्त उड़ान संख्या एसक्यू 402 से सिंगापुर से आईजीआई टर्मिनल-3 पर पहुंचा था। ग्रीन चैनल पर संदेह के आधार पर कस्टम अधिकारियों ने यात्री के सामान की जांच की। वहीं, जांच के दौरान, यात्री के नीले और गहरे भूरे रंग के ट्रॉली बैग में 25 काले पालिथीन पैकेटों में छिपाई गई हरे रंग की नशीली सामग्री बरामद की। जांच में यह गांजा पाया

गया। इस सामग्री का कुल वजन 24,814 ग्राम था। इसके बाद मादक पदार्थ तस्करी की धारा में आर्रोत के खिलाफ प्राथमिकी की गई। इसके पूर्व भी दो अगस्त को बैंकाक से आए एक यात्री के कब्जे से 9.86 करोड़ रुपये का गांजा बरामद बरामद हुआ था। आरोपित यात्री बैंकाक से दिल्ली पहुंची एअर इंडिया की उड़ान संख्या 2333 से टर्मिनल-3 पर पहुंचा था। इस याी को भी ग्रीन चैनल पर रोका गया और उसके सामान की एक्स-रे जांच के साथ-साथ व्यक्तिगत तलाशी ली गई।

इंसाफ मांग रहे SSC के छात्रों पर भाजपा की तानाशाही, रात के अंधेरे में लाठियों से पीटा: केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के रामलीला मैदान में ररउ परीक्षा में हुई गड़बड़ियों को ठीक करने की मांग को लेकर धरना दे रहे छात्रों पर लाठीचार्ज करने के वायरल वीडियो साझा कर आम आदमी पार्टी के नेताओं ने भाजपा पर निशाना साधा। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज, वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया और नेता प्रतिपक्ष आतिशी समेत अन्य ने इसे भाजपा सरकार की तानाशाही और गुंडागर्दी बताया। आप ने ररउ छात्रों के साथ खड़े होने और उनकी हर संभव मदद का भरोसा दिया है। अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर कहा कि भाजपा की तानाशाही और गुंडागर्दी देखिए। ररउ परीक्षा की गड़बड़ियों को लेकर ये छात्र महीनों से इंसाफ की लड़ाई लड़ रहे थे। उनकी आवाज सुनने की बजाय रात के अंधेरे में उन पर लाठियां बरसा दी गईं। सोचिए... जिन हाथों में कल किताबें होनी चाहिए थीं, आज उन पर चोटों के निशान हैं। देश में खुली गुंडागर्दी चल रही है। बीजेपी से सवाल पूछने वालों पर लाठीचार्ज कराके आवाज दबा दी जाती है। किसी को भी उठा के जेल में डाल

दिया जाता है, जब चाहे कोई भी कानून बदल दिया जाता है। जो बीजेपी को वोट न दे तो उसकी वोट काट दी जाती है। बीजेपी ने लोकतंत्र ही नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम का मजाक बना कर रख दिया है। उधर, आप मुख्यालय पर प्रेसवार्ता कर सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में कई हफ्तों से चल रहा ररउ स्टूडेंट्स का प्रदर्शन रविवार को रामलीला मैदान पर हो रहा था। कई हफ्तों से ररउ छात्र और उनके टीचर अपनी आवाज उठा रहे हैं। कुछ छात्र और उनके शिक्षक शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। इनमें छोटी-छोटी लड़कियां, नौजवान लड़के और टीचर शामिल थे, लेकिन केंद्र सरकार के अधीन दिल्ली पुलिस ने बेहद शर्मनाक और प्रजातंत्र को कलंकित करने वाला कृत्य है। पुलिस ने पहले टेंट की लाइट काट दी, अंधेरा कर दिया, ताकि अंधेरे में बच्चों पर हमला किया जाए और कोई वीडियो न बन पाए। इसके बाद सादे कपड़ों में पुलिसवालों ने छात्रों के साथ बर्बरता की, मारा- पीटा। बच्चों ने अपने फोन की लाइट जलाकर वीडियो रिकॉर्ड किए, जो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मां-बाप अपने बच्चों को 12 साल स्कूल में पढ़ाते हैं ताकि बच्चा पढ़-लिखकर डॉक्टर, इंजीनियर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, क्लर्क, स्टेनो या एसएससी पास करके छोटी-मोटी सरकारी नौकरी पा ले। लोग गांव-कस्बों में अपनी सारी पूंजी ट्यूशन और कोचिंग में लगा देते हैं। बच्चे 12वीं पास करने के बाद 18-18 घंटे पढ़ाई करते हैं, नीट की परीक्षा देते हैं और पता चलता है कि नीट में संगठित धांधली हो रही है। यह कोई छोटी-मोटी चीटिंग नहीं, बल्कि सुनियोजित भ्रष्टाचार है। नालायक लोग डॉक्टर बनाए जा रहे हैं और लायक लोग बाहर कर दिए जा रहे हैं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि ररउ परीक्षाओं में भी यही हो रहा है। दो-चार साल से मेहनत करने वाले बच्चे बर्बाद होकर घर बैठे हैं और जिन्होंने पैसे देकर सांठगांठ की, वे बाबू और अफसर बन रहे हैं। देश का युवा हक के लिए लड़ रहा है, और भाजपा उन्हें डंडों-लाठियों से पीट रही है। यह बेहद शर्मनाक है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पिछले 10-11 साल में कोई ऐसा वर्ग नहीं बचा, जो दिल्ली पुलिस से न पिटा हो। जीएसटी के खिलाफ व्यापारी सड़कों पर उतरे, उन्हें पीटा गया। डॉक्टरों ने कानून के खिलाफ आंदोलन किया, वे पिटे। छात्रों के कई आंदोलन हुए, वे पिटे। फौजियों ने वन रैंक वन पेंशन (ओआरओपी) की मांग की, वे जंतर-मंतर पर पिटे। वकीलों ने हड़ताल की, वे पिटे। कुत्ता प्रेमी, जो अंग्रेजी बोलते हैं और भाजपा को वोट देते हैं, वे भी पिटे। गरीबों की तो झुग्गियां तोड़ी जाती हैं, रेहड़ी-पटरी हटाई जाती है और वे भी पिटते हैं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यहां तक कि आचार्य भिक्षु अस्पताल के डॉक्टर, जो सोचते थे कि भाजपा के विधायक से अंग्रेजी में बात हो जाएगी, वे भी पिटे और उनकी एफआईआर तक दर्ज नहीं हुई। पत्रकार भी नहीं बचे। आप नेता भी कई बार पिटे। मार्शल भी पिटे, हम तो मंत्री रहते सड़क पर घसीटे गए। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आज जो लोग चादर तानकर सो रहे हैं, वे समझ लें कि सबका नंबर आएगा। बीजेपी ने एक अप्रैल 2025 से प्राइवेट स्कूलों की फीस 30-80 फीसद बढ़ाकर मिडल क्लास को तोहफा दिया। एक भी स्कूल की ऑडिट रिपोर्ट पब्लिक नहीं की गई। एक भी स्कूल की फीस रोल बैक नहीं हुई। शिक्षा मंत्री आशीष सूद की टाउन हॉल में पेरेंट्स ने सवाल पूछे, तो उन्हें धमकाया गया। मंत्री सूद बोले, ह्लमैंने टेंट लगाया, खाना खिलाया, तो मैं सुनाऊंगा, तुम्हारी नहीं सुनूंगा।ह्व यह तानाशाही है। तानाशाही आने वाली नहीं है, बल्कि यही तानाशाही है। वरिष्ठ नेता और पंजाब के प्रभारी मनीष सिसोदिया ने एक्स पर कहा कि दिल्ली के रामलीला मैदान में भाजपा की लाठी-लीला।

दोषियों को फांसी देने की मांग, गुस्साए लोगों ने सड़क पर उतरकर की नारेबाजी

दिल्ली। बाहरी दिल्ली में मनीषा हत्याकांड के खिलाफ सुल्तानपुरी इलाके में रविवार को लोग सड़क पर उतर आए। स्वाभिमान ट्रस्ट की चेयरमैन निधि गुप्ता और हिंदू सेना के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष दीपक के नेतृत्व में भारी संख्या में लोग जलेबी चौक पर एकत्र हुए। जहां हाथों में तख्तियां लेकर घटना के विरोध में नारेबाजी करने लगे। लोगों ने सामूहिक रूप से घटना का विरोध करते हुए, दोषियों को गिरफ्तार कर फांसी देने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने मांग की है कि भविष्य में एसी घटना न हो, इसके लिए सख्त कानून बनाया जाए। इस दौरान सुखबीर, चंद्रशेखर आजाद, अर्जुन, आकाश शर्मा, दीपक, नरेंद्र साहु, विनय, शिवम, संतोष, राहुल, रविंद्र सहरावत, पंकज और रंजीत सहित तमाम लोग उपस्थित रहे। हरियाणा में शिक्षिका मनीषा की हत्या के बाद देश के विभिन्न क्षेत्रों में प्रदर्शनों का सिलसिला निरंतर जारी है। देश के अलग-अलग हिस्सों से यही मांग उठ रही है कि दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।

महिला के गले से सोने की चेन झपट कर भाग रहे आरोपी को दबोचा, लोगों ने जमकर पीटा

दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में रोहतास नगर मार्केट में सामान खरीदने के बाद स्कूटी पर सवार महिला के गले से युवक चेन झपट कर भागने लगा। महिला के शोर मचाने पर मार्केट में घूम रहे पुलिसकर्मियों और लोगों ने युवक को दबोच लिया। गुस्से में लोगों ने उसकी पिटाई कर दी। आरोपित ललित उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के मोदीपुरम इलाके का रहने वाला है। वहीं, पीड़िता पूजा वर्मा की शिकायत पर शाहदरा थाना पुलिस ने आरोपित के खिलाफ झपटमारी के आरोप में प्राथमिकी कर ली है। उसके कब्जे से झपटी गई चेन बरामद हो गई है। पूजा वर्मा ईस्ट गोरख पार्क में रहती हैं। वह शुक्रवार शाम को रोहतास नगर मार्केट में सामान खरीदने गई थीं। खरीदारी करने के बाद शाम को करीब 7:45 बजे घर लौटने के लिए स्कूटी पर सवार हुईं। इतने में उनके सामने अचानक एक युवक गया। इससे पहले वह कुछ समझ पातीं, युवक ने उनके गले से सोने की चेन झपटी और बाबरपुर रोड की तरफ भागने लगा। पूजा शोर मचाते हुए उसके पीछे भागीं। शोर सुनकर मार्केट में मौजूद पुलिसकर्मी और लोग भी झपटमार के पीछे भागे। बाबरपुर रोड पर मोहन पार्क के पास लोगों ने झपटमार को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। पुलिस ने वहीं उसे गिरफ्तार कर तलाशी ली तो उसके कब्जे से झपटी गई चेन बरामद हो गई।

13 साल बाद क्राइम ब्रांच के हत्थे चढ़ा शातिर, 21 लाख की धोखाधड़ी से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली। दिल्ली में थाना अमन विहार में जमीन बेचकर 21 लाख रुपये की धोखाधड़ी के एक मामले में वांछित आरोपी को 13 साल बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने दबोच लिया है। आरोपी की पहचान शिव विहार, कराला के सुभाष के रूप में हुई है। उपायुक्त विक्रम सिंह के मुताबिक, 22 अगस्त को हेड कॉन्स्टेबल नरेंद्र को सूचना मिली कि आरोपी सुभाष शिव विहार स्थित अपने वर्तमान निवास पर मौजूद है। सूचना पर एसीपी अशोक शर्मा की देखरेख में और इंस्पेक्टर पुखराज सिंह के नेतृत्व में टीम ने जाल बिछाया और आरोपी को उसके निवास से गिरफ्तार कर लिया। अगस्त 2012 में, आरोपी सुभाष ने अपने सहयोगी संजय के माध्यम से राम बहादुर नामक व्यक्ति को 110 वर्ग गज जमीन बेचकर पीड़ित सुरेंद्र कुमार से 21 लाख रुपये की ठगी की। बाद में राम बहादुर ने वही जमीन वर्तमान शिकायतकर्ता को बेच दी। जब शिकायतकर्ता निर्माण शुरू करने के लिए अपनी जमीन पर गया, तो आरोपी सुभाष ने जमीन पर स्वामित्व का दावा किया और निर्माण की अनुमति नहीं दी। उसके बाद पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया और आरोपी फरार हो गया।

दिल्ली के इस इलाके में चल रहा था अवैध पार्किंग का बड़ा खेल, अब मंत्री के आदेश पर हुआ एक्शन

दिल्ली। दिल्ली में सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के शाहदरा नाले की जमीन को घेरकर कर्दमपुरी में वर्षों से राजनीतिक संरक्षण से अवैध पार्किंग का खेल चल रहा है। सरकारी विभाग होने के बावजूद सिंचाई विभाग खुद अपनी जमीन को खाली नहीं करवा सका। उसे जमीन को खाली करवाने के लिए प्रशासन व पुलिस का सहारा लेना पड़ा। एसटीएफ ने नाले की जमीन को खोली करवाया। दिल्ली। दिल्ली में सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के शाहदरा नाले की जमीन को घेरकर कर्दमपुरी में वर्षों से राजनीतिक संरक्षण से अवैध पार्किंग का खेल चल रहा है। सरकारी विभाग होने के बावजूद सिंचाई विभाग खुद अपनी जमीन को खाली नहीं करवा सका। उसे जमीन को खाली करवाने के लिए प्रशासन व पुलिस का सहारा लेना पड़ा। एसटीएफ ने नाले की जमीन को खोली करवाया। शाहदरा उत्तरी जोन के डिप्टी चेयरमैन मुकेश बंसल ने अवैध पार्किंग को लेकर सिंचाई विभाग से शिकायत की थी। उन्होंने कहा कि शाहदरा नाला सिंचाई विभाग का बड़ा नाला है, इसमें पीडब्ल्यूडी के नाले जुड़ते हैं। विभाग नाले से गाद निकालकर किनारे पर डाल देता, उसे उठाता नहीं है। आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने एक पूर्व मंत्री के रिश्तेदार से यहां नाले पर अवैध कब्जा करवाया।

हरियाणा: सांप डसने से नहीं, गला घोंटकर की थी हत्या; पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुला राज

यमुनानगर : हरियाणा के यमुनानगर जिले के थाना बिलासपुर क्षेत्र में फरवरी महीने में एक महिला की संदिग्ध हालात में मौत के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। शुरूआत में परिजनों द्वारा सांप के काटने से मौत की बात कही गई थी, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद सच्चाई सामने आई कि महिला की मौत गला दबाने से हुई थी। बिलासपुर डीएसपी हरविंदर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतका के परिजनों ने शुरूआत में पुलिस को सांप के काटने की जानकारी दी थी। इसके बाद महिला का पोस्टमार्टम करवा कर बिसरा जांच के लिए भेजा गया। जांच रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ कि महिला की गला दबाकर हत्या की गई थी। डीएसपी के अनुसार, ससुराल वालों ने पुलिस को गुमराह करने के लिए मृतका की टांग पर चूड़ी से सांप के काटने जैसे निशान बना दिए थे, ताकि यह मामला एक हादसा लगे। लेकिन मेडिकल जांच से हत्या की पुष्टि हो गई। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज करते हुए मृतका के पति, सास और ससुर को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ के दौरान तीनों ने गला दबाकर हत्या करने की बात स्वीकार कर ली है। डीएसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि मृतका का अपने पति से झगड़ा होता रहता था और उसे दहेज को लेकर परेशान किया जा रहा था। मृतका के मायके पक्ष ने भी ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया था, जिसके बाद गहराई से जांच की गई और यह खुलासा हुआ।

हरियाणा विधानसभा सत्र का दूसरा दिन, मुलाना विधायक ने कहा- प्रदेश में कानून व्यवस्था खराब

हरियाणा : हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन की कार्यवाही आज दोपहर 2 बजे से शुरू हो गई है। ऊर्जा मंत्री अनिल विज के छोटे भाई राजेंद्र विज को अधरंग की शिकायत होने के कारण फोर्टिस में उपचाराधीन है। इसके चलते अनिल विज सदन की कार्यवाही में शामिल नहीं हुए हैं। स्पीकर हरविंद्र कल्याण ने बताया कि अनिल विज के छोटे भाई को ब्रेन स्ट्रोक (पैरालिसिस) आया है। वह मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती हैं। इस कारण से वह सदन की कार्यवाही में उपस्थित नहीं हो पाए। सत्र से पहले कांग्रेस और बीजेपी दोनों दलों ने अपने-अपने विधायक दल की बैठकें बुलाई हैं। कांग्रेस विधायक दल की बैठक दोपहर 12:30 बजे प्रदेश अध्यक्ष उदयभान की अध्यक्षता में कांग्रेस कार्यालय में आयोजित की गई, जबकि भाजपा विधायक दल की बैठक दोपहर 1 बजे मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में हो रही है। कांग्रेस ने आज भारतीय चुनाव आयोग (एउक) के खिलाफ "वोट चोरी" के मुद्दे पर प्रदर्शन करने की घोषणा की है। इसके चलते सत्र के दौरान विपक्ष द्वारा जोरदार विरोध की संभावना है। भिवानी की महिला शिक्षक मनीषा की मौत का मामला आज भी सदन में गरमाया रह सकता है। इससे पहले, 22 अगस्त को सत्र के पहले दिन कांग्रेस ने मनीषा की मौत और प्रदेश में कानून व्यवस्था को लेकर हंगामा किया था, जिसके कारण विधानसभा की कार्यवाही छह बार स्थगित करनी पड़ी थी। हालांकि बाद में मनीषा के पिता ने एक वीडियो जारी कर राजनीतिक दलों से इस मामले में राजनीति न करने की अपील की थी।प्रदेश में कानून व्यवस्था खराबः मुलाना विधायक

मुलाना से कांग्रेस विधायक पूजा ने सत्र में कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था खराब हो गई है। आज राज्य में खुलेआम मर्डर हो रहे हैं, फिरौतियां मांगी जा रही है और पूरे प्रदेश में दहशत का माहौल बनाया जा रहा है। कांग्रेस विधायक ने सवाल किया कि बेटियां सुरक्षित नहीं हैं, और मौजूदा सरकार कानून व्यवस्था को बनाए रखने में विफल रही है।

साथ में उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी बढ़ रही है। प्रदेश में 21 हजार पुलिस के पद खाली पड़े हुए हैं, लेकिन सरकार ने अभी तक एक भी भर्ती नहीं की है। मांग की कि इन पदों पर जल्द से जल्द भर्ती की जाए। बेरी से कांग्रेस विधायक रघुवीर कादियान ने पूरे प्रदेश में जलभराव की समस्या का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि उनकी विधानसभा के गांवों में 9 हजार एकड़ कृषि भूमि में जलभराव हो रखा है, जिससे किसानों ने जो फसलें बोई थीं, वे खराब हो चुकी हैं। उन्होंने सरकार से किसानों को इस समस्या से निजात दिलाने और उनकी खराब हुई फसलों का मुआवजा देने की मांग की।

इसके साथ ही, उन्होंने पूरे प्रदेश में दलित समाज के लिए चौपालें बनाने की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री 9 साल पहले लड़कियों के कॉलेज बनाने की घोषणा करके आए थे, लेकिन यह घोषणा अभी तक पूरी नहीं हुई है। उन्होंने मुख्यमंत्री से इसे जल्द से जल्द पूरा करने की मांग की।

विधानसभा की सड़क राज्य में नहीं आतीः बलराम दांगी

महम से कांग्रेस विधायक ने कहा कि महम में सड़कों का बुरा हाल है। उन्होंने कहा कि सीएम नायब सैनी ने सदन में छह महीने पहले यह घोषणा की थी कि 6 महीने के भीतर सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त कर दिया जाएगा, लेकिन मुझे लगता है कि महम विधानसभा शायद हरियाणा में नहीं आती, इसलिए यहां की गड्ढे वाली सड़कें अभी तक सही नहीं की गई हैं।रतिया से कांग्रेस के विधायक जरनैल सिंह ने सदन में दिव्यांग पेंशन का मुद्दा उठाया। उन्होंने सरकार से मांग की कि दिव्यांगों को 5 हजार रुपए मासिक पेंशन दी जाए। इसके साथ ही उन्हें रोडवेज बसों में मुफ्त सफर करने के लिए पास दिए जाएं। इसके अलावा, उन्होंने मनरेगा स्कीम को दोबारा शुरू करने और मिड डे मील वर्करों का बकाया पैसा सरकार द्वारा जारी करने की मांग की।

कांग्रेस विधायक मामन खान ने पंचायतों का मुद्दा उठाया

फिरोजपुर झिरका से कांग्रेस विधायक मामन खान ने शून्यकाल में मेवात की पंचायतों और सरपंचों के साथ भेदभाव का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि पंचायतों के फिरनी के टेंडर रद्द कर दिए गए हैं। मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि ये टेंडर दोबारा कब शुरू होंगे। पंचायतों का फंड तक सरकार ने रोक दिया है। 42 पंचायतों का फंड सरकार कब जारी करेगी।

हरियाणा विधानसभा में प्रश्नकाल की कार्यवाही समाप्त हुई। अब शून्य काल चलेगा।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज के छोटे भाई राजेंद्र विज को अधरंग की शिकायत होने के कारण फोर्टिस में उपचाराधीन है। इसके चलते अनिल विज सदन की कार्यवाही में शामिल नहीं हुए हैं।

स्कूलों की बिल्डिंग जर्जर हो चुकीः गीता भुक्कल

कांग्रेस विधायक गीता भुक्कल ने कहा कि राज्य में कई ऐसे स्कूल हैं जिनकी बिल्डिंग जर्जर हो चुकी हैं। मैंने पहले भी ऐसे स्कूल की बिल्डिंग का मुद्दा उठाया था। सरकार क्या राजस्थान जैसी घटना का इंतजार कर रही है। भुक्कल ने अपनी झज्जर विधानसभा के ऐसे स्कूल का नाम भी बताए। इसका जवाब देते हुए शिक्षा मंत्री महिपाल ने बताया कि सरकार ऐसे स्कूल को गिरवा रही है। नए भवन के लिए निविदाएं निकाली जा रही हैं।

हरियाणा में मानसून सक्रिय, 31 अगस्त तक बनी रहेगी बारिश

हरियाणा हरियाणा के अधिकांश क्षेत्रों में लगातार बारिश का दौर जारी है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. मदन लाल खिचड़ ने बताया कि पिछले दो दिनों से प्रदेश में मानसून की सक्रियता बढ़ी है। उनका कहना है कि मानसून ट्रफ उत्तर भारत से मध्य भारत की ओर शिफ्ट हुआ है, जिससे प्रदेश में लगातार बारिश हो रही है।

हरियाणा में हुई 385.8 मिलीमीटर वर्षा जून से अब तक हरियाणा में 385.8 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है, जो सामान्य से अधिक है। डॉ. खिचड़ ने बताया कि प्रदेश के पश्चिमी और दक्षिणी जिलों में सबसे ज्यादा वर्षा हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी दो दिन तक मानसून इसी तरह सक्रिय रहेगा और बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। इसके अलावा 27 से 31 अगस्त तक भी रुक-रुक कर वर्षा होती रहेगी।

किसानों के लिए सलाहडॉ. खिचड़ ने बताया कि यह वर्षा फसलों के लिए वरदान साबित हो रही है, खासकर धान और कपास की फसल को इससे बहुत लाभ होगा।

हालांकि, उन्होंने किसानों को चेतावनी दी कि खेतों में पानी न ठहरे, खासकर सब्जियों की फसलों में। अतः पानी की निकासी की उचित व्यवस्था करना जरूरी है।

सिख दंगों के पीड़ितों को हरियाणा सरकार देगी नौकरी, सीएम सैनी का सदन में बड़ा ऐलान

चंडीगढ़ : सिख दंगों के पीड़ितों को अब हरियाणा सरकार नौकरी देगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विधानसभा में इसकी घोषणा की है। सीएम सैनी ने कहा कि 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान जान गंवाने वालों के परिजनों को हरियाणा सरकार में यथोचित नौकरी मिलेगी। बता दें कि सिख विरोधी दंगों के दौरान हरियाणा के 121 लोगों की मौत हुई थी।

सीएम सैनी ने सदन में बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि 1984 के सिख विरोधी दंगों में जान गंवाने वाले 121 लोगों के परिवारों के सदस्यों को हरियाणा सरकार में उनकी सहमति से प्राथमिकता के आधार पर नौकरी देंगे। सिख दंगों में 20 गुरुद्वारों, 221 मकानों, 154 दुकानों, 57 फैक्ट्रियों, 3 रेल डिब्बों और 85 वाहनों को जला दिया गया था। सीएम सैनी ने कहा कि पीड़ित परिवारों को आपसी सहमति से जिला उपायुक्तों के माध्यम से मुख्य सचिव हरियाणा सरकार को भिजवाने का अनुरोध करता हूं। इस बारे में सरकार की ओर से पत्र द्वारा हिदायतें शीघ्र ही जारी कर दिए जाएंगे।1. हरियाणा गुरु तेग बहादुर साहिब पर प्रस्ताव पारित करने वाला पहला राज्य बन गया है।

2. विपक्ष ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया और इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

3. 1984 के सिख विरोधी दंगों में मारे गए परिवारों के बच्चों को सरकारी नौकरी।

बीच सड़क पर युवती के साथ की थी ऐसी हरकत, पुलिस ने 2 को दबोचा, अब चल भी नहीं पा रहे

पानीपत : पानीपत जिले में जीटी रोड पर युवती से छेड़खानी की कोशिश करने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई एसपी भूपेंद्र सिंह के निर्देश पर की गई। आरोपियों से पुलिस की टीम पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार रविवार को यूपी के बागपत के सिनौली गांव के रहने वाले दो युवक बाइक से जीटी रोड से गुजर रहे थे। इसी दौरान एक महिला और उसकी बेटी सड़क पार कर रही थीं। बाइक पर पीछे बैठे युवक ने युवती से छेड़खानी की कोशिश की, लेकिन दूरी होने के कारण वह सफल नहीं हो पाया। यह वीडियो पीछे चल रही गाड़ी में किसी ने रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर डाल दी, जिसके बाद पुलिस हरकत में आई। एसपी ने कहा कि महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई कर सख्त कदम उठाए जाएंगे, ताकि भविष्य में कोई भी इस तरह की हरकत करने से पहले सौ बार सोचे।

हरियाणा में कर्मचारियों को बड़ा झटका, सरकार ने नहीं बढ़ाया ये भत्ता, 2 लाख से ज्यादा को नुकसान

चंडीगढ़ः हरियाणा के सरकारी कर्मचारियों ने मकान किराया भत्ता (HRA) को लेकर सरकार से बड़ा सवाल खड़ा किया है। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि प्रदेश में लगभग दो से ढाई लाख कर्मचारियों को नियमों के मुताबिक HRA नहीं मिल रहा, जिससे उन्हें हर महीने हजारों रुपये का आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा ने बताया कि 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों के तहत एचआरए की स्पष्ट व्यवस्था की गई थी। इसके अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में मूल वेतन का 10 प्रतिशत, शहरी इलाकों में 20 प्रतिशत और महानगरों में 30 प्रतिशत मकान किराया भत्ते का प्रावधान है। लेकिन राज्य सरकार ने अब तक महंगाई भत्ता (DA) में बढ़ोतरी के अनुरूप HRA में कोई संशोधन नहीं किया है। अध्यक्ष सुभाष लांबा का कहना है कि इस वजह से प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को हर महीने करीब 2 से 4 हजार रुपये तक का घाटा हो रहा है। कर्मचारियों का आरोप है कि DA बढ़ाए जाने के बावजूद HRA को रिवाइज नहीं करना नियमों के खिलाफ है।

रोहतक में पेड़ों की कटाई रोकने बुजुर्ग बरगद पर चढ़ा, बोला- पेड़ काटे तो कर लूंगा आत्महत्या

रोहतक रोहतक में सेक्टर 6 के एक बाग में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की ओर से पेड़ कटाई को लेकर एक बुजुर्ग ने अनोखा विरोध किया। दरअसल, पेड़ काटने के विरोध में बुजुर्ग राजबीर राठी पेड़ पर रस्सी लेकर चढ़ गया और कहने लगा कि अगर किसी पेड़ को काटने की कोशिश की, तो वह पेड़ पर ही आत्महत्या कर लूंगा। जानकारी के अनुसार सेक्टर 6 में बाग की जमीन का मामला कोर्ट में पेंडिंग है। बुजुर्ग राजबीर राठी ने इस मामले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी हुई है। पहले इस केस को हाईकोर्ट में ले जाया गया था, लेकिन राजबीर राठी हार गए थे और कोर्ट ने HSVP के पक्ष में फैसला सुनाया था। HSVP अधिकारियों ने बाग में पेड़ों को काटने की तैयारी की, जिसका राजबीर राठी ने विरोध किया है। राजबीर राठी के अनुसार हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने NGT कोर्ट में कहा था कि बाग में 1500 पेड़ हैं, जिनका एफिडेविट भी दिया हुआ है कि फलदार पौधों को शिफ्ट किया जाएगा, लेकिन विभाग ने बीती शाम को बिना सूचना दिए करीब 200 पेड़ काट दिए। ये सरासर नियमों का उल्लघंन है। उन्होंने कहा कि जमीन के साथ-साथ 1500 पेड़ों का सवाल भी है।

अगर हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की ओर से अगर कार्रवाई नहीं रोकी गई, तो वह पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लूंगा और इसकी जिम्मेदारी हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण विभाग की होगी। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के रऊद कृष्ण कुमार ने बताया कि पेड़ हटाने की कार्रवाई कोर्ट के आदेश पर की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस जमीन को प्लॉट्स के लिए खाली करवाना जरूरी है।

यमुनानगर में सुलझी ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी, महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर कर करवाई थी पति की हत्या

यमुनानगर : हरियाणा के यमुनानगर के थाना साडोरा क्षेत्र में मई महीने में एक व्यक्ति की हत्या से सनसनी फैल गई थी। हत्या के बाद पुलिस ने इस मामले में एसआईटी का गठन किया था। जिसमें शामिल विभिन्न अधिकारियों ने जांच शुरू की। इसी दौरान मृतक प्रिंस की पत्नी पर शक हुआ। इसके बाद पूछताछ की गई और खुलासा हुआ कि महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर यह हत्या करवाई थी। डीएसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि 26 मई को प्रिंस जैसे ही अपनी ड्यूटी खत्म करके फैक्ट्री से बाहर निकाला तभी हैप्पी एवं उसके एक साथी ने उसे अपनी बाइक पर बैठाया और जंगल के रास्ते में ले जाकर उसके सिर पर वार किया। उसके बाद चाकू से वार किया। जिससे उसकी मौत हो गई। दोनों युवक जो कि उसी के गांव के रहने वाले थे, अपने घर आ पहुंचे। इससे पहले उन्होंने अपना मोबाइल बंद करके घर में ही छोड़ दिया था, ताकि लोकेशन का पता ना चले। पुलिस पूछताछ में अब हत्या का खुलासा हुआ और मृतक प्रिंस की पत्नी, उसके प्रेमी हैप्पी सहित एक अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया है। डीएसपी ने बताया कि मृतक प्रिंस की पत्नी के हैप्पी नामक युवक से प्रेम संबंध थे और दोनों शादी करना चाहते थे। इसीलिए उन्होंने इस हत्याकांड को अंजाम दिया। अब तीनों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है।

यमुनानगर में सुलझी ब्लाइंड मर्डर की गुत्थी, महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर कर करवाई थी पति की हत्या

यमुनानगर : हरियाणा के यमुनानगर के थाना साडोरा क्षेत्र में मई महीने में एक व्यक्ति की हत्या से सनसनी फैल गई थी। हत्या के बाद पुलिस ने इस मामले में एसआईटी का गठन किया था। जिसमें शामिल विभिन्न अधिकारियों ने जांच शुरू की। इसी दौरान मृतक प्रिंस की पत्नी पर शक हुआ। इसके बाद पूछताछ की गई और खुलासा हुआ कि महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर यह हत्या करवाई थी।
डीएसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि 26 मई को प्रिंस जैसे ही अपनी ड्यूटी खत्म करके फैक्ट्री से बाहर निकाला तभी हैप्पी एवं उसके एक साथी ने उसे अपनी बाइक पर बैठाया और जंगल के रास्ते में ले जाकर उसके सिर पर वार किया। उसके बाद चाकू से वार किया। जिससे उसकी मौत हो गई। दोनों युवक जो कि उसी के गांव के रहने वाले थे, अपने घर आ पहुंचे। इससे पहले उन्होंने अपना मोबाइल बंद करके घर में ही छोड़ दिया था, ताकि लोकेशन का पता ना चले। पुलिस पूछताछ में अब हत्या का खुलासा हुआ और मृतक प्रिंस की पत्नी, उसके प्रेमी हैप्पी सहित एक अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया है। डीएसपी ने बताया कि मृतक प्रिंस की पत्नी के हैप्पी नामक युवक से प्रेम संबंध थे और दोनों शादी करना चाहते थे। इसीलिए उन्होंने इस हत्याकांड को अंजाम दिया। अब तीनों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है।

'ग्रीको रोमन रेसलिंग' में हरियाणा का दबदबा, 9 मेडल जीतकर सबसे आगे

चंडीगढ़ : झारखंड की राजधानी रांची में चल रही अंडर-23 सीनियर नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप में हरियाणा के पहलवानों ने एक बार फिर अपने दमखम का लोहा मनवाया है। प्रतियोगिता के ग्रीको रोमन वर्ग में हरियाणा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 स्वर्ण, 3 रजत और 3 कांस्य पदक अपने नाम किए। इस प्रदर्शन के दम पर हरियाणा ने 180 अंकों के साथ पहला स्थान हासिल किया। अंक तालिका में सर्विसेज की टीम 139 अंकों के साथ दूसरे और महाराष्ट्र 118 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर रही। वहीं पड़ोसी राज्य पंजाब 116 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहा। विजेता पहलवानों में स्वर्ण पदक जीतने वाले मोहित (60 किलो), संदीप (63 किलो), जोगिंदर (130 किलो) हैं। रजत पदक जीतने वाले अनिल (72 किलो), अंकित (77 किलो), उमेश (82 किलो) हैं। कांस्य पदक जीतने वाले मनीष कुमार (55 किलो), सतपाल (67 किलो), सागर (87 किलो) शामिल हैं।हरियाणा कुश्ती संघ के अध्यक्ष रमेश बोहर ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर खुशी जताई। उन्होंने बताया कि ग्रीको रोमन वर्ग में 10 में से 9 पदक जीतना इस बात का सबूत है कि हरियाणा की धरती पर कुश्ती की परंपरा कितनी मजबूत है। उन्होंने यह भी कहा कि हरियाणा ने इस चैंपियनशिप में फ्रीस्टाइल और महिला वर्ग सहित तीनों स्टाइल में ओवरऑल चैंपियनशिप जीती है। यह उपलब्धि प्रदेश की खेल प्रतिभा और खिलाड़ियों की मेहनत का परिणाम है, जिसने एक बार फिर हरियाणा को राष्ट्रीय स्तर पर कुश्ती का गढ़ साबित कर दिया है।

अमेरिका में सड़क हादसे में करनाल के युवक की मौत, 45 लाख रुपये खर्च कर डंकी से भेजा था वर

करनाल : करनाल के 24 वर्षीय युवक की अमेरिका में एक सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की खबर जैसे ही भारत में उसके परिवार को मिली, पूरे घर में कोहराम मच गया। माता-पिता और भाई गहरे सदमे में हैं, और घर का माहौल पूरी तरह गमगीन हो गया है। मरने वाले युवक की पहचान वजीरचंद कॉलोनी निवासी आशीष मान के तौर पर हुई है। आशीष पिछले एक साल से अमेरिका में ट्रक ड्राइवर के रूप में काम कर रहा था। उसका सपना था कि वह विदेश में मेहनत कर परिवार की आर्थिक स्थिति को सुधार सके। लेकिन यह सपना अधूरा रह गया।

हादसे की वजह अभी स्पष्ट नहीं

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ट्रक सड़क किनारे खड़े एक पेड़ से टकरा गया, जिससे यह दर्दनाक हादसा हुआ। हादसा अमेरिका की दोपहर करीब ढाई बजे हुआ, और स्थान का नाम "ग्रीन वैली" बताया जा रहा है। हालांकि, हादसे की वास्तविक वजह को लेकर अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है।आशीष के बड़े भाई अंकुर ने बताया कि हादसे वाले दिन आशीष का फोन बार-बार बंद आ रहा था। रोजाना बात करने वाले आशीष से उस दिन संपर्क न हो पाने से परिवार चिंतित था। रात को अमेरिका से आई एक कॉल ने सबको स्तब्ध कर दिया कि आशीष अब इस दुनिया में नहीं रहा। आशीष कैलिफोर्निया के फ्रेंजो (Fresno) में रहता था, लेकिन हादसा फ्रेंजो से करीब 2100 मील दूर हुआ। यह दूरी बताती है कि वह लंबी दूरी की ट्रकिंग पर था।

कर्ज लेकर भेजा था विदेश

अंकुर ने बताया कि आशीष 2023 में 'डंकी' रास्ते से अमेरिका गया था। उसे अमेरिका भेजने के लिए परिवार ने लगभग 45 लाख रुपये खर्च किए थे, जिसमें से अधिकतर रकम कर्ज के रूप में जुटाई गई थी। कुछ लोन से और कुछ रिश्तेदारों से उधार लेकर। परिवार को उम्मीद थी कि आशीष वहां मेहनत कर धीरे-धीरे सारा कर्ज चुका देगा और घर की हालत सुधार देगा। लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। आज आशीष के चले जाने से पूरा परिवार टूट चुका है। छोटे बेटे के सपनों के लिए जो त्याग माता-पिता ने किए थे, वे सब अधूरे रह गए।

मीराबाई चानू ने गोल्ड मेडल जीतकर किया कमबैक, कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में किया रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंजरी के बाद वेटलिफ्टर स्टार मीराबाई चानू ने बेहतरीन कमबैक किया है। दरअसल, एक साल के लंबे इंतजार के बाद वापसी करते हुए मीराबाई चानू ने सोमवार को अहमदाबाद में राष्ट्रमंड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में नए रिकॉर्ड बनाकर गोल्ड मेडल जीता है। टोक्यो ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई ने महिलाओं के 48 किग्रा वजन वर्ग में कुल 193 किग्रा वजन उठाकर कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में कुल, स्नैच और क्लीन एंड जर्क के रिकॉर्ड तोड़कर पहला स्थान हासिल किया।

बता दें कि, 31 वर्षीय खिलाड़ी इससे पहले 49 किग्रा में भाग लेती थी लेकिन यह वजन वर्ग अब ओलंपिक में शामिल नहीं है। मीराबाई ने पिछले साल अगस्त में पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार किसी प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। पेरिस ओलंपिक में वह चौथे स्थान पर रही थीं।

वहीं चोटिल होने के कारण वह पिछले एक साल में किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाई थीं जिस कारण उन्हें लय हासिल करने में भी समय लगा। स्नैच में 84 किग्रा के अपने पहले प्रयास में वह लड़खड़ा गईं। उनके दाहिने घुटने में तकलीफ दिखाई दी, लेकिन दूसरे प्रयास में उन्होंने उतना ही वज़न उठाया। 89 किग्रा का उनका तीसरा प्रयास भी असफल रहा। कोई वास्तविक प्रतिस्पर्धा न होने के कारण मीराबाई असल में खुद से ही मुकाबला कर रही थीं।

मीराबाई ने क्लीन एंड जर्क में 105 किग्रा भार उठाकर शुरुआत की। उन्होंने इसे बढ़ाकर 109 किग्रा कर लिया, लेकिन 113 किग्रा का अपना अंतिम प्रयास पूरा नहीं कर सकीं। मलेशिया की इरीन हेनरी ने 161 किग्रा (73 किग्रा + 88 किग्रा) वजन उठाकर रजत पदक, जबकि वेल्स की निकोल रॉबर्ट्स ने 150 किग्रा (70 किग्रा + 80 किग्रा) वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। मीराबाई ने इस तरह से 48 किग्रा में सफल वापसी की। उन्होंने इसी वजन वर्ग में अपना विश्व चैम्पियनशिप खिताब और राष्ट्रमंडल खेलों में दो पदक जीते लेकिन 2018 के बाद वह 49किग्रा वर्ग में चुनौती पेश कर रही थीं।

सौम्या दलवी ने जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।

एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप: 25मी. पिस्टल स्पर्धा में पदक से चूकी मनु भाकर, जूनियरों ने मारी बाजी

शिमकेंट (एजेंसी)। दो ओलंपिक पदक जीत चुकी भारतीय निशानेबाज मनु भाकर एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में पदक से चूक गई और चौथे स्थान पर रही जबकि जूनियर वर्ग में भारतीयों का दबदबा रहा। भारत की ही ईशा सिंह आठ महिलाओं के फाइनल में छठे स्थान पर रही।

मनु ने 25 स्कोर किया और तीसरे स्थान पर रही वियतनाम की तु विन्ह त्रिन्ह से चार अंक पीछे रही। महिला जूनियर 25 मीटर पिस्टल फाइनल में भारत की पायल खत्री को 36 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक मिला जबकि नाम्या कपूर (30) ने रजत और तेजस्विनी (27) ने कांस्य पदक जीता। इन तीनों ने 1700 अंक के साथ टीम वर्ग में भी रजत पदक अपने नाम किया।

कोरिया को स्वर्ण और कजाखस्तान को कांस्य पदक मिला। नाम्या और तेजस्विनी क्वालिफिकेशन में पहले दो स्थान पर रही जबकि पायल छठे स्थान पर रही थी। इससे पहले सीनियर वर्ग में चीन की यू झांग ने स्वर्ण और जियाडइयुआन शियाओ ने रजत पदक जीता। मनु, ईशा और सिमरनप्रीत कौर बराड़ की भारतीय तिकड़ी ने 1749 के कुल स्कोर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। वे चीन और दक्षिण कोरिया से पीछे रहे। ईशा क्वालिफिकेशन में शीर्ष रही थी जबकि मनु चौथे स्थान पर रही थी।

एशिया कप से पहले संजू सैमसन ने शतक जड़ा, मुहम्मद आशिक ने रोमांचक मैच में दिलाई जीत

स्पोर्ट्स डेस्क। संजू सैमसन ने 51 गेंदों पर 121 रनों की तूफानी पारी खेलकर बिकी रात को रोशन कर दिया, लेकिन मुहम्मद आशिक के वाह-वाही लूटने में कामयाब रहे क्योंकि जब कोच्चि ब्लू टाइगर्स को एक गेंद पर छह रन की जरूरत थी तो उन्होंने सिक्सर लगाकर रोमांचक जीत दिलाई और एरीज कोल्लम सेलर्स को चार विकेट से हरा दिया। कोच्चि ब्लू टाइगर्स ने लगातार तीसरी जीत के साथ अपना विजयी अभियान जारी रखा जो अब अंक तालिका में शीर्ष पर हैं। वहीं एरीज कोल्लम सेलर्स एक जीत और दो हार के साथ चौथे स्थान पर है। 237 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए कोच्चि ब्लू टाइगर्स को आखिरी ओवर में 17 रनों की जरूरत थी। मुहम्मद आशिक ने पहली दो गेंदों पर एक चौका और एक छक्का लगाकर मुकाबले को जीवंत रखा। लेकिन गेंदबाज शराफुद्दीन ने अगली तीन गेंदों पर संयम बनाए रखा और सिर्फ एक बाई रन दिया, जबकि अल्फी फ्रांसिस जॉन रन आउट हो गए। आखिरी गेंद पर छह रन चाहिए थे, ऐसे में मुहम्मद आशिक ने सिक्स लगाकर अपनी टीम के लिए मैच जीत लिया। वह 18 गेंदों पर तीन चौकों और पांच छक्कों की मदद से 45 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं इससे पहले संजू सैमसन ने साबित किया कि एशिया कप के लिए उन्हें चुनकर कोई गलती नहीं की है। सैमसन ने सिर्फ 51 गेंदों पर 14 चौकों और सात छक्कों की मदद से 121 रनों की तूफानी पारी खेलकर गेंदबाजों को मुश्किल में डाल दिया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए एरीज कोल्लम सेलर्स ने 5 विकेट पर 236 रन बनाए। विकेटकीपर-बल्लेबाज विष्णु विनोद (41 गेंदों पर 94) और सचिन बेबी (44 गेंदों पर 91) ने दूसरे विकेट के लिए 66 गेंदों पर 143 रनों की शानदार साझेदारी की।

ड्रीम 11 के हटने के बाद नए स्पोंसर की तलाश में बीसीसीआई, जानें एशिया कप से पहले नया प्रायोजक मिलेगा या नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। फैंटेसी स्पोर्ट्स कंपनी ड्रीम 11 अब भारतीय क्रिकेट टीम की टाइटल स्पॉसर नहीं है और बोर्ड ने उसके विकल्प की तलाश शुरू कर दी है लेकिन यह अगले महीने एशिया कप से पहले होने की संभावना नहीं है। हाल ही में पारित 'ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक, 2025' के तहत सरकार के वास्तविक धन गेमिंग पर प्रतिबंध लगाने के बाद ड्रीम11 अब भारतीय क्रिकेट टीम का टाइटल प्रायोजक नहीं है।

BCCI सचिव देवाजीत सैकिया ने इसकी पुष्टि की कि ड्रीम11 के साथ करार खत्म हो गया है और BCCI विभिन्न राष्ट्रीय टीमों के लिये नये प्रायोजक की तलाश की प्रक्रिया में है। सैकिया ने कहा, 'हमारा रुख स्पष्ट है। नियम बनने के बाद BCCI ड्रीम 11 या अन्य गेमिंग कंपनी के साथ प्रायोजन करार नहीं रख सकती। नए नियम के तहत अब इसकी कोई गुंजाइश ही नहीं है।' उन्होंने कहा, 'इसलिए हम दूसरे विकल्प तलाश रहे हैं और प्रक्रिया जारी है। हम प्रायोजक की तलाश में है और अभी प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। कुछ तय होने पर हम मीडिया को जानकारी देंगे।' क्रिकेट एक ऐसा खेल है जिसमें वास्तविक धन की गेमिंग का चलन काफी बढ़ गया है। भारतीय टीम का टाइटल प्रायोजक ड्रीम 11 था और इंडियन प्रीमियर लीग का आधिकारिक फैंटेसी स्पोर्ट्स भागीदार वास्तविक धन वाला ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म 'माई11 सर्कल' है। ड्रीम 11 ने भारतीय टीम के टाइटल अधिकार लगभग 44 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 358 करोड़ रुपये) में खरीदे थे। उनका करार खत्म होने में अभी एक साल बाकी है लेकिन इसके लिए उन्हें कोई दंड नहीं लगाया जाएगा।

बोर्ड के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा, 'BCCI अपने प्रायोजक की परेशानी को पूरी तरह समझता है। यह उनकी गलती नहीं है और भुगतान में चूक के अन्य मामलों की तरह ड्रीम11 पर कोई जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। यह एक सरकारी नियम है और इसका पूरा पालन जरूरी है और मौजूदा हालात में उनके कारोबार पर असर पड़ेगा।' उन्होंने कहा, 'बोर्ड के लाभ पर भी कुछ समय के लिए असर होगा लेकिन हमें नई योजना बनानी होगी।' अधिकारी ने यह भी कहा कि UAE में एशिया कप में भारत के पहले मैच में सिर्फ 15 दिन बचे हैं लिहाजा नया प्रायोजक उससे पहले तलाशना कठिन है। उन्होंने कहा, 'प्रक्रिया चल रही है। हमें राष्ट्रीय टीम के टाइटल प्रायोजन के करार के लिए विज्ञापन देना है।

एशिया कप में भारत को विराट, रोहित की कमी खलेगी : बाजिद

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बाजिद खान ने कहा है कि एशिया के लिए भारतीय टीम काफी अच्छी है पर उसे अनुभवी खिलाड़ियों विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा की कमी महसूस होगी। साथ ही कहा कि भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन अन्य टीमों के खिलाफ अच्छा रहा है पर वह हमारे खिलाफ असफल रहे हैं। बाजिद ने कहा कि सूर्यकुमार पाक के खिलाफ रन नहीं बना पाये हैं। उन्होंने कहा, सूर्यकुमार ने तकरीबन हर किसी के खिलाफ रन बनाए हैं परन्तु वक एक बार भी हमारे खिलाफ चल नहीं पाये है। अब उसका कारण जो भी रहा हो पर वह प्रभावी नहीं रहे हैं। वहीं टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके विराट और रोहित गैरमौजूदगी को लेकर उन्होंने कहा, देखिए, ये दोनों खिलाड़ी शीर्ष स्तर के है। पाक में उनके बराबर का कोई खिलाड़ी नहीं है। विराट और रोहित खेल में तेजी लाते है जिसकी कमी आ अहसास भारतीय टीम को जरूर होगा। साथ ही ऑलराउंडर रविंद जडेजा के नहीं होने से भी भारतीय टीम को नुकसान होगा। उन्होंने कहा, लोग विराट और रोहित के बारे में तो बात करते हैं पर जडेजा ऐसे खिलाड़ी है जो टीम की कठिन समय में सहायता करते हैं। भारतीय टीम के पास स्पिनर अक्षर पटेल हैं पर जडेजा के होने से आपको एक बल्लेबाज, एक गेंदबाज और एक बेहतरीन क्षेत्ररक्षक भी मिलता है जो खेल को नियंत्रित करता है। वह विश्व क्रिकेट के सबसे बेहतरीन दो क्षेत्ररक्षकों में शामिल रहे हैं। एशिया कप की शुरुआत 9 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में होगी। वहीं भारत आर पाक के बीच 14 सितंबर को मुकाबला होगा।

बुची बाबू टूर्नामेंट की तीसरी पारी में पृथ्वी ने लगाया अर्धशतक

चेन्नई। बल्लेबाज पृथ्वी शॉ का प्रदर्शन यहां जारी बुची बाबू टूर्नामेंट में मिला-जुला रहा है। अब तक पृथ्वी ने इस टूर्नामेंट में खेली तीन पारियों में एक शतक एक अर्धशतक लगाया है पर एक पारी में वह एक रन ही बना पाये। अपने इस प्रदर्शन से साफ है कि पृथ्वी फार्म हासिल करने के करीब हैं। पृथ्वी ने छत्तीसगढ़ के खिलाफ कठिन हालातों में 111 रनों की आक्रामक पारी खेली पर दूसरी पारी में वह केवल एक ही रन बना पाए और टीम को जीत भी नहीं दिला पाए, क्योंकि छत्तीसगढ़ की टीम ने यह मुकाबला 35 रनों से अपने नाम कर लिया। वहीं टीएनसीए प्रेसिडेंट्स इलेवन के खिलाफ खेले गए एक अन्य मैच में तमिलनाडु की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 384 रन बनाये थे। इसके जवाब में महाराष्ट्र की ओर से पारी की शुरुआत करने उतरे पृथ्वी ने अच्छी बल्लेबाजी कर टीम को आगे बढ़ाया। पृथ्वी ने 57 गेंदों में 47 रन बनाये और पहली ही गेंद पर तीन रन लेकर अपना अर्धशतक बनाया। पृथ्वी ने 96 गेंदों में 66 रन भी बनाये।

शाकिब अल हसन के टी20 में 500 विकेट पूरे, इन खिलाड़ियों की लिस्ट में हुए शामिल

एंटीगुआ। शाकिब अल-हसन कैरेबियन प्रीमियर लीग में सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स पर एंटीगुआ एंड बारबुडा की जीत के साथ टी20 क्रिकेट में 500 विकेट लेने वाले पांचवें खिलाड़ी बन गए। बांग्लादेश के इस ऑलराउंडर ने यह उपलब्धि हासिल करने के मामले में अफगानिस्तान के राशिद खान (660 विकेट), वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो (631) और सुनील नरेन (590) और दक्षिण अफ्रीका के इमरान ताहिर (554) के साथ संयुक्त रूप से अपना नाम दर्ज कराया है। सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में कम स्कोर वाले मैच में उन्होंने केवल 6 गेंदों में 11 रन देकर 3 विकेट लिए और यह रिकॉर्ड बनाया। पैट्रियट्स ने फाल्कन्स के सामने जीत के लिए 134 रनों का लक्ष्य रखा, क्योंकि उनके अंतिम छह बल्लेबाजों ने केवल 22 रन बनाए। फाल्कन्स ने दो गेंद शेष रहते यह लक्ष्य हासिल कर लिया, जिसमें करीमा गोर 47 गेंदों में नाबाद 52 रन बनाकर आउट हुई। गेंदबाजी के साथ ही शाकिब ने बल्ले से भी अच्छा प्रदर्शन किया और 18 गेंदों में 25 रन बनाकर पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान की गेंद पर स्टंप आउट हो गए। इस जीत के साथ फाल्कन्स तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए हैं, क्योंकि उन्होंने अपने से नीचे की टीमों की तुलना में कुछ ज्यादा मैच खेले हैं।

टेस्ट क्रिकेट चुनौतीपूर्ण और थका देने वाला: रोहित शर्मा

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपने टेस्ट करियर के कुछ पहलुओं पर विचार करते हुए सोमवार को कहा कि यह प्रारूप चुनौतीपूर्ण और थका देने वाला है लेकिन उन्होंने अपनी तैयारी पर ध्यान देकर खुद को टेस्ट क्रिकेट में खेलने के लिए तैयार किया। रोहित ने इस साल मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

इस 38 वर्षीय बल्लेबाज ने 67 टेस्ट मैच में 40.58 की औसत से 4301 रन बनाए। उन्होंने इससे एक साल पहले टी20 विश्व कप जीतने के बाद क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। रोहित ने यहां एक पैनल चर्चा के दौरान कहा, 'यह ऐसी चीज है जिसके लिए आपको तैयारी करनी होती है, क्योंकि इस खेल में आपको लंबे समय तक मैदान पर रहना होता है विशेष कर टेस्ट क्रिकेट में, जिसमें आपको पांच दिन तक खेलना होता है। मानसिक रूप से यह बहुत चुनौतीपूर्ण होता है और थका देने वाला भी। लेकिन सभी क्रिकेटर प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलते हुए ही बड़े हुए हैं।'

उन्होंने कहा, 'जब हम प्रतिस्पर्धी स्तर पर क्रिकेट खेलना शुरू करते हैं, यहां तक कि मुंबई में भी क्लब क्रिकेट (मैच) दो दिन (या) तीन दिन तक चलते हैं, इस तरह से हम छोटी उम्र से ही इसके लिए तैयार रहते हैं। इससे आपके सामने आने वाली परिस्थितियों का सामना करना थोड़ा आसान हो जाता है।'

रोहित ने कहा कि सभी युवा खिलाड़ी अपने करियर की शुरुआत में अच्छी तैयारी के महत्व को नहीं समझते हैं, लेकिन वे धीरे-धीरे इसका महत्व समझने लगते हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप बहुत छोटे होते हैं, तो आप तैयारी के महत्व को नहीं समझते। लेकिन जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते हैं, आपको समझ आता है कि यह आपको एक प्रकार का अनुशासन देता है जिसकी खेल में मांग होती है, इसलिए इसकी शुरुआत तैयारी से होती है, यह समझने से कि आपको वास्तव में क्या करने की जरूरत है।'

रोहित ने कहा, 'जब आप सबसे लंबे प्रारूप में खेल रहे होते हैं तो इसमें काफी कुछ करना पड़ता है और एकाग्रता ही सबसे महत्वपूर्ण चीज है, क्योंकि आप बहुत अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे होते हैं और उसके लिए मानसिक रूप से तरोताजा होना जरूरी है।' उन्होंने कहा, 'बहुत सारा काम पर्दे के पीछे से शुरू होता है। जैसा कि मैंने कहा, तैयारी में। आप मैदान पर लंबे समय तक टिके रहने के लिए खुद को तैयार करते हैं।'

रोहित ने कहा कि उनके लिए भी यह कोई अलग बात नहीं रही और समय के साथ उन्होंने खुद को तैयार करने के लिए अभ्यास को अधिक समय देना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, 'मेरे साथ भी बिल्कुल ऐसा ही हुआ, जब मैंने मुंबई के लिए खेलना शुरू किया और फिर भारत के लिए खेलने लगा। मेरा ध्यान और समय इस बात पर केंद्रित था कि मैं मैच से पहले कैसे तैयारी करता हूं।'

नोवाक जोकोविच ने यूएस ओपन में जीत के साथ की शुरुआत

न्यूयॉर्क। नोवाक जोकोविच ने यूएस ओपन के पहले दौर में उत्साही किशोर लर्नर टिएन को हराकर प्रतियोगिता के दूसरे दौर में जगह बना ली है। आर्थर ऐश स्टेडियम की रोशनी में रविवार रात खेले गये पुरुष एकल वर्ग के मुकाबले में सातवीं वरीयता प्राप्त जोकोविच ने 19 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी को दो घंटे 25 मिनट में 6-1, 7-6(3), 6-2 से हराया। विंबलडन के बाद पहली बार खेल रहे 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने शानदार शुरुआत की और 24 मिनट के भीतर ही शुरुआती सेट में केवल एक गेम गंवाया। हालांकि रात्रि सत्र में पदार्पण कर रहे टिएन ने जोकोविच को कड़ी टक्कर देते हुए दमदार बेसलाइन खेल और उत्साही दर्शकों के समर्थन से वापसी की और दूसरे सेट में एक सेट प्वाइंट भी हासिल किया। मैच के बाद जोकोविच ने कहा, 'मुझे लगता है कि दूसरे सेट में संयम बनाए रखना और टाईब्रेकर में जीत हासिल करना मेरे लिए बेहद जरूरी था। इसके बाद मुझे बेहतर महसूस होने लगा। मुझे पता है कि मैं हमेशा बेहतर कर सकता हूं, लेकिन इस साल के अभियान की शुरुआत करने का यह एक शानदार तरीका है।' इस जीत के साथ ग्रैंड स्लैम में पहले दौर में दबदबे का जोकोविच का शानदार रिकॉर्ड और भी मजबूत हो गया है। 2006 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद से उन्होंने किसी भी बड़े टूर्नामेंट के पहले दौर का मैच नहीं गंवाया है। उनकी लगातार 75 जीत है।

महिला विश्वकप और दक्षिण अफ्रीका सीरीज के लिए पाकिस्तान क्रिकेट टीम घोषित, फातिमा बनी कप्तान

लाहौर। अगले माह के अंत में शुरु हो रहे महिला विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में पाकिस्तान टीम की कप्तानी फातिमा सना करेंगी। इस टूर्नामेंट के पाक की 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी गयी है। टीम की उपकप्तानी सना को सौंपी गई, जबकि मुनीबा अली सिद्दीकी को मिली है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि विश्व पक से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 16-22 सितंबर तक होने वाले तीन एकदिवसीय मुकाबलों में भी यही टीम भाग लेगी। पीसीबी ने कहा, ये 15 खिलाड़ी पांच रिजर्व खिलाड़ियों के साथ ही 29 अगस्त से शुरू होने वाले 14-दिवसीय प्री-दक्षिण अफ्रीकी सीरीज कैंप में भाग लेंगी। इसके लिए मोहम्मद वसीम के नेतृत्व वाले कोचिंग स्टाफ के मार्गदर्शन में खिलाड़ी अभ्यास कर रहे हैं। बल्लेबाज एयमान फातिमा को इस टीम में अवसर दिया गया है, फातिमा ने हाल ही में आयरलैंड के खिलाफ टी20 क्रिकेट में पदार्पण किया था। इनके अलावा, नतालिया परवेज, रमीन शमीम, सदफ शमास, सादिया इकबाल, शवाल जुल्फिकार और सैयदा अरूब शाह भी टीम में शामिल की गयी हैं। आईसीसी महिला विश्व कप क्वालीफायर में शामिल 15 सदस्यीय टीम में दो बदलाव किए गए हैं। एयमान और सदाफ को गुल फिरोजा और नजीहा अल्वी की जगह मुख्य टीम में शामिल किया गया, जिन्हें तुबा हसन, उम्म-ए-हानी और वहीदा अख्तर के साथ पांच नॉन ट्रैवलिंग-रिजर्व में रखा गया है। महिला विश्व कप 2025 की शुरुआत 30 सितंबर से होने जा रही है। इसमें पाक टीम अपने अभियान की शुरुआत 2 अक्टूबर से करेगी, जिसके बाद 5 अक्टूबर को वह भारतीय टीम से खेलेगी जबकि 8 अक्टूबर को उसका ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला होगा, 15 अक्टूबर को वह इंग्लैंड से सामना करेगी।।

अमेरिकी ओपन : जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंची अजारेंका सहित ये तीन खिलाड़ी

न्यूयॉर्क। विक्टोरिया अजारेंका, जेसिका पेगुला और जैस्मिन पाओलिनी अमेरिकी ओपन टेनिस के महिला एकल के दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं। इन तीनों ने ही अपने-अपने मुकाबले आसानी से जीते। अजारेंका ने अमेरिकी क्वालिफायर हीना इनोउए को 7-6(0), 6-4 से हराया। अजारेंका ने दो घंटे चार मिनट तक चले मुकाबले में 35 विनर्स लगाए, जबकि इनोउए के 14 विनर्स थे। विंबलडन के बाद पहला मैच खेल रहीं अजारेंका ने अमेरिकी ओपन में अपना 49वां मुकाबला जीता है। अब दूसरे दौर में उनका सामना अनास्तासिया पावल्युचेंकोवा या दयाना यास्त्रेम्स्का के बीच होने वाले मैच की विजेता खिलाड़ी से होगा। वहीं पेगुला ने मिस्र की मेयर शेरिफ को 6-0, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। अब पेगुला का मुकाबला एन्ना ब्लिंकोवा से होगा, जिन्होंने पहले दौर के एक अन्य मुकाबले में यूलिया स्टारोडुबत्सेवा को 6-3, 6-1 से पराजित किया। पेगुला और शेरिफ के बीच खेले गए इस मुकाबले में पेगुला ने अच्छी शुरुआत कर पहला सेट 6-0 से जीता। वहीं दूसरे सेट में शेरिफ ने अपनी लय पकड़ी और अमेरिकी खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर 4-1 की बढ़त बना ली। इसके बाद पेगुला ने अपनी लय वापस पाते हुए जीत हासिल की। एक मुकाबले में पाओलिनी ने क्वालिफायर डेस्टेनी ऐवा को 6-2, 7-6(4) से हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। पहला सेट 6-2 से जीतने के बाद, पाओलिनी को दूसरे सेट में काफी संघर्ष करना पड़ा। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सर्विस बचाकर सेट को टाईब्रेकर में पहुंचाया।

पुजारा से पहले भी कई दिग्गजों को नहीं मिली थी सम्मानजनक विदाई

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट में पिछले कुछ समय में कई दिग्गज खिलाड़ियों को सम्मानजनक विदायी नहीं मिल पायी है। अब इसमें एक नाम चेतेश्वर पुजारा का भी जुड़ गया है। पुजारा ने रविवार को खेल के सभी प्रारुपों से संन्यास की घोषणा कर दी थी। वहीं इससे पहले आर अश्विन ने भी अचानक की खेल को अलविदा कह दिया था। जिन खिलाड़ियों को विदायी मैच नहीं मिले उनमें पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी, वीरेंद्र सहवाग, युवराज सिंह जैसे नाम भी शामिल हैं हालांकि इन सभी के बड़े कद और भारतीय जिन्हें स्टेडियम में दर्शकों और प्रशंसकों की भीड़ के बीच क्रिकेट को अलविदा कहने का मौका नहीं मिला। ये खिलाड़ी निश्चित तौर पर सम्मानजनक विदाई के हकदार थे।

पुजारा टेस्ट के विशेषज्ञ बल्लेबाज रहे हैं। टीम इंडिया के लिए खेलने की प्रतिबद्धता के कारण उन्होंने मोटी कमाई वाली आईपीएल को भी महत्व नहीं दिया। उन्हें टेस्ट में राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण का मिश्रिण कहा जाता था। दिग्गजों का मानना है कि पुजारा को खेल के मैदान से अपने पसंदीदा खेल को अलविदा कहने का मौका मिलना चाहिए था। वहीं तीनों प्रारुपों में भारत के सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में से एक महेंद्र सिंह धोनी को भी साल 2020 में विदायी नहीं मिली थी और उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। वहीं 2011 वर्ल्ड कप जीत के हीरो युवराज ने तो साल 2019 में विदाई मैच की मांग तक की थी पर बीसीसीआई ने इसे ठुकरा दिया था। टीम चयन में लगातार उपेक्षा के बाद युवराज ने खेल को अलविदा कह दिया था। वहीं सहवाग ने साल 2013 में अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। उन्होंने 2 साल तक इंतजार किया कि उन्हें मैदान में क्रिकेट को अलविदा कहने का मौका मिल जाए पर उन्हें सम्मानजनक विदाई नहीं मिली। वहीं वीवीएस लक्ष्मण ने साल 2012 में कुछ दिन पहले ही संन्यास की घोषणा कर दी थी। वहीं जहीर खान, हरभजन सिंह, गौतम गंभीर का भी कोई विदायी मैच नहीं मिला था।

फिल्म 'चिरंजीवी हनुमान' के प्रोड्यूसर पर भड़के अनुराग कश्यप

बॉलीवुड निर्देशक अनुराग कश्यप अपने बेबाक बयानों के लिए हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। इस बार उन्होंने निशाना साधा है आने वाली एआई-जनरेटेड फिल्म 'चिरंजीवी हनुमान - द इटरनल' पर। यह फिल्म अबंडेंटिया एंटरटेनमेंट और कलेक्टिव मीडिया नेटवर्क के हिस्ट्रीवर्स द्वारा घोषित की गई है और दावा किया जा रहा है कि यह भारत की पहली बड़ी मेड इन एआई मेड इन इंडिया फिल्म होगी, जिसकी रिलीज हनुमान जयंती 2026 पर तय की गई है।
कलेक्टिव आर्टिस्ट नेटवर्क के फाउंडर-सीईओ और फिल्म के निर्माता विजय सुब्रमण्यम पर अनुराग कश्यप आगबबूला हो गए। उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर कर सीधे विजय को आड़े हाथों लिया। अनुराग ने लिखा कि एक तरफ वो कलाकारों, लेखकों और निर्देशकों का प्रतिनिधित्व करते हैं और दूसरी तरफ एआई से बनी फिल्म का निर्माण कर रहे हैं।
कश्यप के मुताबिक, ये उन रचनाकारों के हितों से सीधा विश्वासघात है, जिनकी मेहनत और प्रतिभा पर ये एजेंसियां टिकी हुई हैं।
पैसे के लिए सबकुछ- कश्यप का आरोप
अनुराग ने अपने नोट में एजेंसियों पर यह आरोप भी लगाया कि उनका मकसद केवल पैसे कमाना है। उन्होंने कहा कि जब कलाकार उनके लिए पर्याप्त मुनाफा नहीं कमा पाते, तो ये एजेंसियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सहारा ले लेती हैं। उन्होंने कहा, जिस किसी भी अभिनेता या कलाकार में आत्मसम्मान है, उसे इस एजेंसी से सवाल करना चाहिए या इसे छोड़ देना चाहिए।

फिल्म इंडस्ट्री में बढ़ती बेचैनी

अनुराग कश्यप के अलावा निर्देशक विक्रमादित्य मोटवाने ने भी इस प्रोजेक्ट पर तंज कसा। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म की घोषणा शेयर करते हुए लिखा - तो अब शुरुआत हो गई. जब सबकुछ एआई करेगा तो लेखकों और निर्देशकों की जरूरत किसे है?

विजय सुब्रमण्यम ने दिया जवाब

हालांकि, विजय सुब्रमण्यम ने इन आलोचनाओं पर अपना पक्ष भी रखा। उन्होंने मीडिया को दिए बयान में कहा कि इस फिल्म का उद्देश्य परंपरा और नवाचार को जोड़ना है। उनका दावा है कि इस प्रोजेक्ट में सांस्कृतिक मूल्यों को बनाए रखते हुए पारदर्शिता से काम किया जा रहा है और दर्शकों को यह साफ तौर पर बताया जाएगा कि रचनात्मक प्रक्रिया में एआई की क्या भूमिका है।

सन ऑफ सरदार 2 को मिली प्रतिक्रिया पर कुब्रा सैत ने जताई खुशी

अभिनेत्री कुब्रा सैत जल्द ही काजोल के साथ 'ट्रायल सीजन 2' में नजर आएंगी। हाल ही में उन्होंने फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में काम किया था। बातचीत में कुब्रा ने विस्तार से चर्चा की।

पहली मीटिंग के बाद ही 'सन ऑफ सरदार 2' के लिए तैयार हो गई थीं कुब्रा

अजय देवगन के साथ 'सन ऑफ सरदार 2' में काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए कुब्रा ने बताया कि मुझे याद है पहली मीटिंग डायरेक्टर और टीम के साथ हुई थी। तभी लगा कि मेरा किरदार बिल्कुल वैसा ही है जैसा मैं चाहती थी। स्क्रिप्ट देखकर बहुत अच्छा लगा और महसूस हुआ कि मैं इसे सही तरीके से निभा सकती हूं। हां, शूटिंग और वीजा की तैयारियां थोड़ी तनावपूर्ण थीं, लेकिन शुरुआत से ही बहुत खुशी और उत्साह था। हर दिन सेट पर कुछ नया और मजेदार होता था। 'सन ऑफ सरदार 2' बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाई। हालांकि, कुब्रा फिल्म की रिलीज के बाद बहुत खुश हैं। उनका कहना है कि फिल्म देखकर लोग हंसे, फिल्म ने परिवारों को एक साथ जोड़ा। मेरे लिए सबसे बड़ा इनाम यह था कि शूटिंग के दौरान जितना मजा आया, वही ऑडियंस तक भी पहुंचा। यह सफर सिर्फ फिल्म बनाने का नहीं, बल्कि हंसी, खुशी और यादगार पल बनाने का भी था। मैं बहुत गर्व महसूस करती हूं कि इसका हिस्सा बन सकी।

इंडस्ट्री में आया बड़ा बदलाव

कुब्रा इंडस्ट्री में पिछले पंद्रह साल से काम कर रही हैं। इस दौरान अपने इंडस्ट्री के अनुभव और अपनी यात्रा को लेकर एक्ट्रेस कहती हैं कि शुरुआत में जब मैं बॉम्बे आई थी, तो मेरे पास किसी का नंबर नहीं था और इंडस्ट्री बहुत बड़ी और अलग लगती थी। आज सोशल मीडिया ने दुनिया को छोटा कर दिया है। अब शहर में अकेला या अजनबी नहीं लगता, बल्कि एक तरह से परिचित लगता है। यह मेरे लिए सबसे बड़ा बदलाव है।

धीरे-धीरे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना सीख रही हूं

कुब्रा ने अपने कठिन किरदारों के अनुभव भी साझा किए। उन्होंने कहा कि कई बार ऐसे किरदार आए जो मुझे पहली बार देखकर उत्साहित नहीं कर रहे थे, लेकिन फिर भी मैंने उन्हें निभाया। जैसे 'फाउंडेशन' में फारा का किरदार, सीरीज 'इल्लीगल' में मेहर सलाम और 'शहर लखोट' में पल्लवी। पहले मैं ऐसे किरदारों के बाद जल्दी हिम्मत हार जाती थी, लेकिन अब धीरे-धीरे सीख रही हूं कि उनके इमोशंस को महसूस करना है बिना खुद टूटे। कठिन किरदार हमारे धैर्य और ताकत को परखते हैं और मुझे हर नए किरदार के लिए तैयार करते हैं।

हमें किरदार को इंटरेस्टिंग बनाना चाहिए

स्टीरियोटाइप और टाइपकास्ट होने को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि कभी-कभी लोग आपको एक ही तरह के किरदार में देखते हैं। लेकिन अगर स्क्रिप्ट में समानताएं हों, तो हम अपने तरीके से उसे ताजा और इंटरेस्टिंग बना सकते हैं। यही कला है और काम करने की असली खुशी है।

नीरू बाजवा ने इस तरह की फिल्म तेहरान की तैयारी

अभिनेत्री नीरू बाजवा ने अपनी फिल्म तेहरान में अपने किरदार की तैयारी के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उन्होंने ज़्यादा रिहर्सल या मेथड एक्टिंग नहीं की, बल्कि एक सहज और स्वाभाविक तरीका अपनाया। उन्होंने कहा, मैंने कोई तयशुदा तैयारी प्रक्रिया नहीं अपनाई। मैंने सिर्फ स्पाई फिल्मों को देखकर समझा कि ऐसे किरदार किस तरह चलते-फिरते हैं, उनकी बॉडी लैंग्वेज कैसी होती है और वे खुद को कैसे पेश करते हैं। बाजवा का मानना है कि इस तरह का ऑब्ज़र्वेशन करने से उन्हें सेट पर प्राकृतिक रूप से ढलने और किरदार को असली अंदाज़ में निभाने में मदद मिली। उन्होंने कहा, फिल्म की शूटिंग के दौरान सहयोगी माहौल का भी ज़िक्र किया और अपने सह-कलाकार जॉन अब्राहम की तारीफ की। उन्होंने कहा जॉन बहुत ही विनम्र और सकारात्मक रहे। वे हमेशा ध्यान रखते थे कि सेट पर हर कोई आरामदायक महसूस करे। उसी माहौल की वजह से हम सभी की परफॉर्मेंस बेहतर हुई। अपनी सहजता, ऑब्ज़र्वेशन और टीम के सपोर्ट से बाजवा का मानना है कि उनका तेहरान का किरदार बेहद नैचुरल तरीके से सामने आया।

प्रभास बहुत बड़े स्टार, लेकिन उनकी दोस्ती आज भी पहले जैसी

अभिनेत्री श्रीदेवी विजयकुमार निर्देशक वेंकटेश निम्मालापुडी की अपकमिंग तेलुगु फिल्म सुंदरकांड में नारा रोहित के साथ मुख्य भूमिका में फिर से वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी दोस्ती आज भी प्रभास के साथ वैसी ही है जैसी पहली थी। अभिनेत्री ने सुपरस्टार प्रभास की तारीफ की। उन्होंने बताया कि भले ही प्रभास आज बड़े पैन इंडिया स्टार बन चुके हैं, लेकिन उनकी दोस्ती आज भी पहले जैसी ही है। श्रीदेवी विजयकुमार ने प्रभास के साथ उनकी पहली फिल्म ईश्वर में उन्होंने मुख्य नायिका के रूप में डेब्यू किया था। इस फिल्म का निर्देशन जयंत सी. परांजी ने किया था। सुंदरकांड के प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्रीदेवी से प्रभास के साथ उनकी दोस्ती के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, प्रभास के साथ मेरी दोस्ती आज भी पहले जैसी ही है। प्रभास अब एक बड़े स्टार बन चुके हैं, लेकिन वे जरा भी नहीं बदले। श्रीदेवी ने बताया कि प्रभास आज भी वैसे ही मुस्कुराते हैं और उसी मासूमियत से बात करते हैं जैसे पहले किया करते थे।

टॉक्सिक में जानबूझकर रुक्मिणी वसंत की एंट्री को गुपचुप रखा गया था

यश की टॉक्सिक - ए फेयरीटेल फ़ॉर ग्रोन-अप्स में पाँचवीं हीरोइन कौन होगी, इस सस्पेंस का परदा अब हट चुका है। खबर पक्की है कि एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत शुरू से ही फिल्म का हिस्सा थीं, बस मेकर्स ने जानबूझकर उनकी एंट्री को गुपचुप रखा था। सूत्रों की मानें तो रुक्मिणी ने पहले ही मुंबई शेड्यूल में यश के साथ कई सीन शूट कर लिए हैं और अब उनके हिस्से की बस कुछ दिन की शूटिंग बाकी है। सूत्रों ने बताया - फिल्म की कहानी हमेशा से दमदार फीमेल किरदारों पर टिकी हुई है और रुक्मिणी का रोल भी उतना ही स्ट्रॉन्ग है। वो कहानी में जबरदस्त असर लेकर आती हैं। टीम चाहती थी कि ये सरप्राइज़ आखिर तक बना रहे, इसलिए उनका नाम अभी तक छुपाया गया था। अब रुक्मिणी भी जुड़ गईं हैं टॉक्सिक की शानदार हीरोइनों की लाइन-अप में — जिसमें पहले से ही कियारा आडवाणी, नयनतारा, तारा सुतारिया और हुमा कुरैशी जैसी स्टार्स शामिल हैं। हर कोई फिल्म के नैरेटिव को और गहराई देने वाला है। गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी रही ये फिल्म फिलहाल मुंबई में शूट हो रही है और इसका वर्ल्डवाइड रिलीज़ डेट फिक्स है - 19 मार्च 2026। साथ ही ये एक माइलस्टोन भी है क्योंकि टॉक्सिक पहली बड़ी फिल्म है जो एक साथ कन्नड़ और इंग्लिश में शूट हो रही है और फिर हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम में डब होकर रिलीज़ होगी। कन्नड़ इंडस्ट्री से ताल्लुक रखने वाली रुक्मिणी वसंत पहले ही सप्त सागरदाचे एलो से तारीफें बटोर चुकी हैं। उनके पास आगे भी मधरासी, कंतारा चैप्टर 1 और एनटीआर नील जैसी फिल्में हैं, जिससे वो इंडस्ट्री की सबसे बिज़ी और चर्चित यंग एक्ट्रेस बन चुकी हैं। टॉक्सिक - ए फेयरीटेल फ़ॉर ग्रोन-अप्स का प्रोडक्शन वेंकट के. नारायण (केवीएन प्रोडक्शंस) और यश (मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स) मिलकर कर रहे हैं।

नक्सलवादी नहीं काले रंग के कारण फिल्म से निकाला

पांच दशकों का लंबा करियर, चार राष्ट्रीय पुरस्कार, दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित जाने -माने कलाकार मिथुन चक्रवर्ती जितने विविधरंगी डकार रहे, उतने ही बेबाक और बिंदास। इन दिनों वे चर्चा में हैं विवादास्पद फिल्म द बंगाल फाइल्स से। इस मुलाकात में वे फिल्म, विवादास्पद बयान, संघर्ष, काले रंग के कारण हुए भेदभाव,अपने नक्सली अतीत जैसे मुद्दों पर अपने अंदाज में दिल खोल कर बातें करते हैं।

पचास साल के अपने करियर में आपने सिनेमा को लगातार संवारा है, आज पलट कर देखते हैं, तो कैसा लगता है?
ऐसा ही लगता है कि इतने साल कैसे हो गए? एक समय मैं स्ट्रगलर था, फिर स्ट्रगलर से सुपरस्टार बना। इतने सारे अवॉर्ड्स और फिर दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड, लेकिन मैं अपने आप को शुरू का मिथुन चक्रवर्ती ही मानता हूं। उस मिथुन और आज के मिथुन में कोई फर्क नहीं है। मैं किसी का मिथुन दादा, किसी का दोस्त, किसी का पड़ोसी, लगता हूं। वो फील मैंने हमेशा रखा है। मैंने अपने दिमाग में कभी वो चीज लाने ही नहीं दी कि मुझे चार-चार नैशनल अवॉर्ड मिले हैं। लोग मुझे लिविंग लेजेंड कहते हैं, मैं ये सब सुनता हूं, मगर उसे अंदर नहीं आने देता।

आपने द बंगाल फाइल्स जैसी फिल्म के लिए हामी क्यों भरी?
कारण यही था कि विवेक अग्निहोत्री अगर कोई फिल्म बनाते हैं, तो मेरे लिए कैरेक्टर बनाते हैं। मैंने ये फिल्म किरदार के कारण चुनी। मैं इसमें एक पागल आदमी का किरदार अदा कर रहा हूं, जो असल में पागल नहीं है। एक ऐसा पुलिस अफसर, सच बोलने के एवज में जिसकी जुबान काट दी गई थी। यह सड़कों पर कहीं भी सो जाता है, कचरे के डिब्बे से खाना उठाकर खाता है। यह किरदार फिल्म की अंतरात्मा है। यह जुबान से बोल नहीं पाता, तुतलाता है। इस चरित्र को निभाने में मुझे काफी तकलीफ हुई, मगर विवेक चाहते थे कि मैं ही करूं। बहुत दिनों तक मैं इसे करने से मना भी करता रहा, मगर आखिरकार मैंने किया।

लोग तो कह ही रहे हैं, मगर फिल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने भी स्वीकार किया कि ये एजेंडा वाली फिल्म है, आप क्या कहेंगे?
एकदम, ये एजेंडा वाली फिल्म ही है। विवेक सचाई पर फिल्म बनाता है, किसी फेक स्टोरी पर नहीं। उसका डॉक्युमेंटेशन ज़बरदस्त होता है, रिसर्च गहरा होता है। वो सबूत के साथ आपको फिल्म बना कर दिखाएगा। तो इसमें उसने कुछ गलत नहीं कहा।

हाल ही में पड़ोसी मुल्क पर की गई अपनी बायनबाजी (यूरिनेशन वाला बयान) के कारण आप विवादों में भी आ गए?
मैं जो कुछ कहता हूं, सच ही कहता हूं। जो मेरे दिल में आता है, मैं कह देता हूं, फिर वो पड़ोसी देश के लिए हो या किसी और देश के लिए। मुझे जो सच लगता है, मैं वह बोल देता हूं।

संघर्ष के दौर में डूबते को तो तिनके का सहारा भी काफी होता है? आपके लिए क्या था?
मैं तिनके के सहारे के बारे में भी नहीं सोच पाता था, मगर हां जो मुझे पहली फिल्म मिली, उसमें मैं आदिवासी हीरो बना, जो मेरे लिए एकदम परफेक्ट बैठ गया। फिल्म थी मृगया, इसके लिए मुझे नैशनल अवॉर्ड मिला। फिर मैंने रक्षक की, सुरक्षा में काम किया। मैं इवॉल्व हुआ, परफॉर्मेंस के नजरिए से, डांस की दृष्टि से।
मैं लोगों से कहता था, मेरे रंग को मत देखो, मेरा डांस देखो। इसीलिए आपने नोट किया होगा कि मेरी सारी डांसिंग पैरों से होती है। मैं अपने चेहरे पर ज्यादा फोकस नहीं करता। मैं एल्विस प्रेस्ली का फैन रहा हूं, तो मैं उनके डांस स्टेप्स को कॉपी करके अपने मूव्ज मिलाकर मैंने अपना स्टाइल बना दिया, जो आज की तारीख में मिथुन चक्रवर्ती की डांसिंग स्टाइल हर पार्टी या इवेंट में कॉपी होती है।

आप नक्सलवाद से भी जुड़े रहे, तो उसके कारण आपको इंडस्ट्री द्वारा अपनाए जाने में किसी तरह की दिक्कत पेश आई?
नहीं, नहीं उनको तो बाद में पता चला मेरे नक्सली होने का। अब उस बारे में बात नहीं करना चाहता। मगर मेरे रंग को लेकर मुझसे सबसे ज्यादा तकलीफ हुई, फिर मेरा वही रंग बाद में सेक्सी-डस्की बंगाली बाबू हो गया। लेकिन रंग के कारण फिल्म में कास्ट हो जाने के बाद भी निकाल दिया गया। क्या-क्या बोलूं? ये खत्म ही नहीं होगा।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I.No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।